राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

# क्रांति समय

RNI.No. : GUJHIN/2018/75100

क्रांति समय
SURESH MAURYA
(Chief Editor)
M. 98791 41480
Working. off.: STPI-SURAT, GUJARAT-395023 (Software Technology Park of India, Surat.
www.krantisamay.com
www.krantisamay.in
krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

सुरत-गुजरात, संस्करण मंगलवार,07 जुलाई2020 वर्ष-2, अंक -124 पृष्ठ-08 मूल्य-01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

## तीन राज्यों में कोरोना के 60 फीसदी मामले, कुल आंकड़ा सात लाख के करीब

**नई दिल्ली(एजेंसी)।**

देश में कोरोना वायरस (कोविड-19) से महाराष्ट्र, तमिलनाडु और दिल्ली सबसे अधिक प्रभावित है और यहां संक्रमण के कुल 4,17,214 मामले सामने आये हैं जो देशभर में अब तक इस वायरस से संक्रमित कुल आबादी का 60 फीसदी हैं। कोरोना से सबसे अधिक प्रभावित महाराष्ट्र में संक्रमितों की संख्या 2,06,619, तमिलनाडु में 1,11,151 तथा दिल्ली में 99,444 हो गई है। केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से सोमवार को जारी आंकड़ों के अनुसार देश में पिछले 24 घंटे में कोरोना वायरस के 24,248 नये मामले सामने आये हैं जिसके बाद कुल संक्रमितों की संख्या बढ़कर 6,97,413 हो गई है। देश में अब तक इस महामारी से कुल 19,693 लोगों की मौत हुई है तथा 4,24,433 लोग स्वस्थ हुए हैं। देश में इस समय कोरोना वायरस के 2,53,287 सक्रिय मामले हैं। कोरोना महामारी से सर्वाधिक प्रभावित महाराष्ट्र में संक्रमण के 6555 मामले दर्ज किए गए जिससे संक्रमितों का आंकड़ा 2,06,619 पर पहुंच गया है तथा 151 लोगों की मौत हुई है जिसके कारण मृतकों की संख्या बढ़कर 8822 हो गयी है। राज्य में 1,11,740 लोग संक्रमणमुक्त हुए हैं। संक्रमण के मामले में दूसरे स्थान पर पहुंचे तमिलनाडु में संक्रमितों की संख्या 4150 बढ़कर 1,11,151 पर पहुंच गयी है और इसी अवधि में 60 लोगों की मौत से मृतकों की संख्या 1510 हो गयी है। राज्य में 62,778 लोगों को उपचार के बाद अस्पतालों से छुट्टी दी जा चुकी है। राजधानी दिल्ली में कोरोना महामारी ने कहर बरपा रखा है और यहां संक्रमितों का आंकड़ा एक लाख के करीब पहुंच चुका है। यहां अब तक 99,444 लोग कोरोना की चपेट में आ चुके हैं जबकि इसके संक्रमण से मरने वालों की संख्या 3067 हो गयी है। राजधानी में 71,339 मरीज रोगमुक्त हुए हैं, जिन्हें विभिन्न अस्पतालों से छुट्टी दी जा चुकी है। देश का पश्चिमी राज्य गुजरात कोविड-19 के संक्रमितों की संख्या मामले में चौथे स्थान पर है, लेकिन मृतकों की संख्या के मामले में यह महाराष्ट्र और दिल्ली के बाद तीसरे स्थान पर है। गुजरात में अब तक 36,037 लोग वायरस से संक्रमित हुए हैं तथा 1943 लोगों की मौत हुई है। राज्य में 25,892 लोग इस बीमारी से स्वस्थ भी हुए हैं। आबादी के हिसाब से देश के सबसे बड़े राज्य उत्तर प्रदेश में कोरोना संक्रमण के अब तक 27,707 मामले सामने आए हैं तथा इस वायरस से 785 लोगों की मौत हुई है जबकि 18,761 मरीज स्वस्थ हो गए है। दक्षिण भारतीय राज्यों में तेलंगाना और कर्नाटक में कोरोना संक्रमण के मामले बहुत तेजी से बढ़ रहे हैं। तेलंगाना में संक्रमितों की संख्या 23,902 हो गयी है और 295 लोगों की मौत हो चुकी है जबकि अब तक 12,703 लोग बीमारी से ठीक हो चुके है। कर्नाटक में 23,474 लोग संक्रमित हुए हैं तथा 372 लोगों की इससे मौत हुई है। राज्य में इसके अलावा 9847 लोग स्वस्थ भी हुए हैं। पश्चिम बंगाल में 22,126 लोग कोरोना वायरस से संक्रमित हुए हैं तथा 757 लोगों की मौत हुई है और अब तक 14,711 लोग स्वस्थ हुए हैं। राजस्थान में भी कोरोना का प्रकोप जोरों पर है और यहां संक्रमितों की संख्या 20,164 हो गयी है और अब तक 456 लोगों की मौत हो चुकी है, ।

## बर्थडे की पार्टी देने वाले ज्वैलर की कोरोना से मौत, वहां शामिल हुए सभी 100 मेहमानों में डर का माहौल

**नई दिल्ली(एजेंसी)।**

देश में कोरोना वायरस (कोविड 19) का कहर चरम पर है और इसके संक्रमण के 6.97 लाख मामलों के साथ भारत इस महामारी से सबसे अधिक प्रभावित देशों की सूची में अमेरिका तथा ब्राजील के बाद अब तीसरे स्थान पर आ गया है। वहीं हैदराबाद में चौंका देने वाला मामला देखने को मिला जहां एक शीर्ष जोहरी की कोरोना वायरस संक्रमण से मौत हो गई। इन्होंने कुछ दिनों पहले ही बर्थडे पार्टी रखी थी, जिसमें कम से कम 100 लोग शामिल हुए थे। जोहरी की कोरोना वायरस से मौत के बाद पार्टी में शामिल हुए सभी लोगों में डर का माहौल है। दरअसल हाल ही में आयोजित इस पार्टी में जूलर्स एसोसिएशन के कम से कम 100 सदस्य शामिल हुए थे। वहीं पार्टी के दो दिन बाद मेजबान जूलर में कोविड-19 के लक्षण दिखने लगे थे, जिसके बाद उन्हें एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। पार्टी में शामिल हुए सारे लोग अब शहर के निजी प्रयोगशालाओं में जल्दी-जल्दी जांच करवाने में जुटे हैं। फिलहाल, स्वास्थ्य अधिकारी ज्वैलर के संपर्क में आए लोगों की पहचान मे जुटे हुए हैं। हैदराबाद में इस तरह का यह पहला मामला नहीं है। इससे पहले, एक पुलिस कांस्टेबल ने बेटा पैदा होने की खुशी पर मिठाई बांटी, उसकी भी रिपोर्ट शनिवार को पॉजिटिव पाई गई। बताया गया है कि कांस्टेबल के संपर्क में 12 लोग आए थे। केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की ओर से सोमवार को जारी आंकड़ों के मुताबिक देश भर में पिछले 24 घंटों के दौरान कोरोना संक्रमण के 24,248 नये मामले सामने आये हैं जिससे कुल संक्रमितों की संख्या बढ़कर 6,97,413 हो गई है। इसी अवधि में कोरोना वायरस से 425 लोगों की मृत्यु होने से मृतकों की संख्या बढ़कर 19,693 हो गई है। इस बीच संक्रमणमुक्त होने वालों की संख्या भी लगातार बढ़ रही है और पिछले 24 घंटों के दौरान 15,350 रोगी स्वस्थ हुए हैं, जिन्हें मिलाकर अब तक कुल 4,24,433 लोग रोगमुक्त हो चुके हैं।

देश में अभी कोरोना सक्रमण के 2,53,287 सक्रिय मामले हैं। कोरोना महामारी से सर्वाधिक प्रभावित महाराष्ट्र में संक्रमण के 6555 मामले दर्ज किये गये जिससे संक्रमितों का आंकड़ा 2,06,619 पर पहुंच गया है तथा 151 लोगों की मौत हुई है जिसके कारण मृतकों की संख्या बढ़कर 8822 हो गयी है।

## साम्बा में पशु तस्करी का बड़ा प्रयास विफल, 64 पशु करवाए गए मुक्त, सात तस्कर गिरफ्तार

**साम्बा।** जिला साम्बा की मानसर पुलिस चौकी ने पशु तस्करी के एक बहुत बड़े प्रयास को विफल करते तीन ट्रक कंटेनर से 64 पशुओं को मुक्त करने में सफलता हालिस की और इसमें सात लोगों को गिरफ्तार किया । पकड़े गए आरोपियों की पहचान अरशद पुत्र लियाकत निवासी सहारनपूर यू.पी पकड़े गए आरोपियों की पहचान अरशद पुत्र लियाकत निवासी सहारनपूर यू.पी., मुरसलीम पुत्र मंजूर निवासी सहारनपूर यू.पी., अजीम पुत्र नाजिम निवासी मुरादाबाद यू.पी., मोहम्मद अल्ताफ पुत्र तक्षु अहमद निवासी अमरोहा यू.पी., इशूव पुत्र जैलम खान निवासी फिरोयादबाद यू.पी.,मोहम्मद नाजिम पुत्र कमरूदीन निवासी मैरठ यू.पी. और अलीक पुत्र वाहिद निवसी रामपूर यू.पी. के रूप में की गई। जानकारी अनुसार मानसर चौकी प्रभारी संदीप चिब ने एक गुप्ता सूचना के आधार पर मानसर के पास एक नाका लगाया हुआ था और जब वहां से तीन ट्रक कंटेनर गुजरे तो उनकी जांच की गई तो पशु तस्करी का खुलासा हुआ और तीनों कंटेनर से पुलिस ने 64 पशुओं को मुक्त करवाकर उन्हें घगवाल पुलिस थाने में बने शैड में शिफ्ट कर दिया। वहीं पशु तस्करों की इस नई स्कीम से हर कोई दंग रह गया कि किस तरह से बंद कंटेनर में पशुओं को कश्मीर में भेजा जा रहा था।

## सीमा विवाद के बीच पीछे हटी चीनी सेना, गलवान घाटी से हटाए टैंट

**नेशनल डेस्क।** पूर्वी लद्दाख में भारत-चीन सीमा में जारी विवाद अब कुछ थमता हुआ दिखाई दे रहा है। चीन की सेना पूर्वी लद्दाख की गलवान घाटी से कुछ हद तक पीछे हट गई है। कहा जा रहा है गलवान नदी के पानी का बहाव तेज होने की वजह से चीन ने अपने टैंट शिफ्ट किए हैं। सूत्रों के अनुसार लाइन ऑफ एक्चुअल कंट्रोल पर गलवान घाटी में हिंसा वाले स्थल के पास से चीनी सेना करीब एक किमी पीछे हट गई है। गलवान, गोगरा और हॉट स्प्रिंग एरिया में भी चीनी सेना के भारी वीइकल की पीछे की तरफ मूवमेंट देखी गई है। हालांकि चीन ने गलवान घाटी के पास अब बफर जोन बनाया लिया है, ताकि किसी तरह की हिंसा की घटना फिर ना हो पाए। दरअसल हाल ही में खबर सामने आई थी कि गलवान नदी के पानी का स्तर तट के काफी ऊपर तक पहुंच गया है। गलवान, गोगरा, हॉट स्प्रिंग्स और पैंगोंग झील में मौजूदा स्थिति के चलते चीनी सेना के लिए वहां रुकना मुश्किल होता जा रहा है।चीन ने जहां टेंट गाड़े थे वहां भी पानी भर गया था, ऐसे में माना जा रहा है कि चीन ने इस कारण भी कदम पीछे किए हैं। गौरतलब है कि गलवान घाटी में 15 जून को हिंसक झड़प में भारत के 20 सैन्यकर्मियों के शहीद होने के बाद दोनों देशों के तनाव गहरा गया था। इसके बाद 22 जून को हुई ।

## कोरोना संकट पर बोले केजरीवाल- दिल्ली में 72,000 लोगों ने महामारी को दी मात

**नेशनल डेस्क(एजेंसी)।**

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कोरोना वायरस पर दिल्ली का हेल्थ बुलेटिन जारी किया। उन्होंनें दावा किया कि दिल्ली में 72,000 कोरोना के मरीज ठीक हो गए हैं। उन्होंने कहा कि राजधानी में हालात सुधर रहे हैं, रोज हो रहे हैं 20 से 24 हजार टेस्ट किए जा रहे हैं । कोरोना के मामलों ने दिल्ली में 1 लाख का आंकड़ा पार कर लिया है। घबराने की जरूरत नहीं है क्योंकि लगभग 72,000 लोग कोरोना से ठीक हो चुके हैं। दिल्ली में प्लाज्मा बैंक चालू हो गया है। ज्यादा से ज्यादा संख्या में आगे आ कर सभी लोग प्लाज्मा डोनेट करें। प्लाज्मा डोनेट करने की घबराने की कोई जरूरत नहीं। दिल्ली में बेड की कोई दिक्कत नहीं है। कोरोना मरीज अब घरों में ठीक हो रहे हैं। दिल्ली में रविवार को कोरोना वायरस संक्रमण के 2,505 नये मामले सामने आने के साथ कुल आंकड़ा एक लाख के करीब पहुंच गया है। हालांकि इस महामारी के खिलाफ संघर्ष को बल प्रदान करते हुए यहां 10 हजार बिस्तर वाले सरदार पटेल कोविड देखभाल केंद्र के उद्घाटन किया गया जिसे दुनिया के सबसे बड़े ऐसे केंद्रों में गिना जा रहा है। दिल्ली सरकार एक 'कोविड-19 वार रूम स्थापित करेगी जो शहर में कोरोना वायरस से निपटने के लिए किये जा रहे प्रयासों पर 24 घंटे नजर रखेगा और वर्तमान स्थिति से प्रभावी ढंग से निपटने के उपाय सुझायेगा।

## कानपुर एनकाउंटर में बड़ा खुलासा, विकास दुबे का नौकर बोला- पुलिस ने ही दी थी सूचना

**कानपुर(एजेंसी)।**

कानपुर एनकाउंटर में 8 पुलिसकर्मीयों पर गोलियां बरसाने वाले हिस्ट्रीशीटर विकास दुबे के नौकर को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस मुठभेड़ के बाद दयाशंकर अग्निहोत्री को गिरफ्तार किया है। पूछताछ में उसने कहा कि पुलिस की तरफ से ही दबिश की जानकारी विकास दुबे को दी गई थी। जिसके बाद उसने अपने सभी असलहाधारी गुर्गों को फोनकर बुलाया था। जिसके बाद हुई ताबड़तोड़ फायरिंग में एक सीओ समेत 8 पुलिसकर्मी शहीद हो गए थे। नौकर ने बताया कि दबिश की सूचना पुलिस की तरफ से ही मिली थी। उसने बाते कि थाने से एक फोन आया था। जिसके बाद विकास दुबे ने अपने साथियों को असलहे के साथ बुलाया था। दयाशंकर ने बताया कि उस वक्त घर में एक ही असलहा था जो उसके नाम पर हैं। विकास दुबे ने उसी असलहे से गोली चलाई थी। बता दें कि विकास दुबे को पकड़ने गई पुलिस के कानपुर एनकाउंटर में 8 पुलिसकर्मी शहीद हो गए। जिसके बाद से पुलिस विकास दुबे को पकड़ने के लिए उसके ठिकानों पर छापेमारी कर रही है। विकास दुबे पर ढाई लाख का इनाम घोषित है। विकास दुबे के साथ फरार जिन 18 लोगों पर इनाम घोषित किया गया है, उसमें दयाशंकर का नाम पांचवें नंबर पर है। उस पर पुलिस ने 25 हजार का इनाम घोषित कर रखा था।

## रक्षा मामलों की बैठक में राहुल ने कभी नहीं लिया हिस्सा, फौज की बहादुरी पर उठा रहे सवाल: नड्डा

**नई दिल्ली(एजेंसी)।**

कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए भाजपा अध्यक्ष जे पी नड्डा ने सोमवार को कहा कि वायनाड सांसद रक्षा मामलों की संसद की स्थायी समिति की एक भी बैठक में शामिल नहीं हुए, लेकिन देश का मनोबल गिराने और सशस्त्र बलों के शौर्य पर सवाल उठाने का काम लगातार कर रहे हैं। राहुल गांधी के रक्षा मामलों की संसद की स्थायी समिति की एक भी बैठक में शामिल न होने की खबर के बाद नड्डा की यह प्रतिक्रिया सामने आई है। भाजपा के इस हमले पर कांग्रेस की अभी तक कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है। नड्डा ने ट्वीट कर कहा, राहुल गांधी रक्षा मामलों की संसद की स्थायी समिति की एक भी बैठक में शामिल नहीं हुए। लेकिन दुख की बात है कि वे देश का मनोबल गिराने, सशस्त्र बलों के शौर्य पर सवाल उठाने के साथ-साथ वो सभी काम कर रहे हैं जो एक जिम्मेदार विपक्षी नेता को नहीं करने चाहिए। उन्होंने कटाक्ष करते हुए कहा, राहुल गांधी का ताल्लुक उस गौरवशाली वंश परम्परा से है जहां रक्षा के लिए समिति नहीं बल्कि कमीशन मायने रखता है । कांग्रेस में कई ऐसे योग्य सदस्य हैं जो संसदीय मामलों की जानकारी रखते हैं लेकिन एक शाही परिवार कभी भी वैसे नेताओं को आगे बढने नहीं देगा। उल्लेखनीय है कि राहुल गांधी विभिन्न मुद्दों पर केंद्र सरकार की आलोचना करते रहते हैं।

पूर्वी लद्दाख में सीमा पर चीन के साथ जारी गतिरोध पर भी उन्होंने सरकार के खिलाफ आक्रामक रवैया अपना रखा है। भाजपा ने इस मामले में पलटवार करते हुए कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष पर सेनाओं का मनोबल गिराने का आरोप लगाया है।

## लद्दाख में किसी भी कीमत पर पीछे नहीं हटेंगे भारतीय जवान, माइनस तापमान में उपयोग किए जाने वाले विशेष टेंट खरीदेगी सेना

**नई दिल्ली(एजेंसी)।**

नियंत्रण रेखा (एलओसी) पर भारत और चीन के बीच तनाव की स्थिति बीते दो महीने से लगातार बनी हुई है। चीन की सेना गलवान घाटी के कुछ हिस्सों से तंबू हटाते और पीछे हटती दिखी है। सरकारी सूत्रों ने सोमवार को यह जानकारी दी। क्षेत्र में सैनिकों के पीछे हटने का यह पहला संकेत है। सूत्रों ने कहा कि दोनों पक्षों के कोर कमांडरों के बीच हुए समझौते के तहत चीनी सैनिकों ने पीछे हटना शुरू किया है। वहीं चीनी आक्रामकता के खिलाफ भारत ने लद्दाख क्षेत्र में अतिरिक्त 30 हजार जवानों की तैनाती की हुई है। मगर अब सेना के सामने दुश्मन के अलावा अत्यधिक ठंड से निपटने की भी चुनौती सामने है। इसी के तहत भारतीय सेना जल्द ही ऐसे टेंट खरीदने वाली है, जो जवानों को माइनस तापमान में भी ठंड से बचा सकें। सेना के सूत्र ने न्यूज एजेंसी एएनआई से कहा, भले ही चीनी सैनिक अपने स्थान से हट जाएं, हम भविष्य में भी नहीं हटेंगे। इसीलिए, हम पूर्वी लद्दाख सेक्टर में अत्यधिक ठंड के मौसम में रहने के लिए हजारों टेंट लगाने के आदेश देने जा रहे हैं। उन्होंने कहा, सभी सीमा पर हथियार और गोला-बारूद के अलावा हमारी आपातकालीन खरीद का प्रमुख ध्यान सैनिकों के आवास के लिए व्यवस्था कराने पर होगा। सूत्र ने कहा कि चीन ने पहले ही अपने विशेष शीतकालीन टेंट लगाना शुरू कर दिया है। भारत फिलहाल सियाचिन ग्लेशियर में समान टेंट और संरचनाएं इस्तेमाल कर रहा है। गलवान घाटी में सीमा पर तैनात सैनिकों के लिए टेंट की आवश्यकता इसलिए महसूस की जा रही है। क्योंकि वास्तविक नियंत्रण रेखा पर तैनाती लंबे समय तक होने की उम्मीद है, जैसा कि वरिष्ठ सशस्त्र बल के अधिकारियों को लगता है कि स्टैंड-ऑफ कम से कम सितंबर-अक्टूबर समय-सीमा तक जारी रहने की संभावना है। गलवान घाटी में 15 जून को हुई हिंसक झड़प के बाद तनाव कई गुणा बढ़ गया था जिसमें 20 भारतीय सैनिक शहीद हो गए थे। चीन के सैनिक भी इस झड़प में हताहत हुए थे लेकिन उसने अब तक इसके ब्योरे उपलब्ध नहीं कराए हैं। भारत क्षेत्र में शांति बनाए रखने के लिए पूर्वी लद्दाख के सभी इलाकों में पूर्व यथास्थिति बहाल करने पर जोर देता आया है। चरणों की कूटनीतिक एवं सैन्य वार्ताएं हुई हैं। क्षेत्र में तनाव को कम करने के लिए भारत और चीन के बीच कई चरणों की कूटनीतिक एवं सैन्य वार्ताएं हुई हैं। हालांकि, दोनों पक्षों के क्षेत्र से बलों को पीछे हटाने की प्रक्रिया शुरू करने पर सहमत होने के बावजूद गतिरोध समाप्त होने के कोई संकेत नजर नहीं आ रहे थे।

## कुवैत लागू करने जा ऐसा कानून, 8 लाख भारतीयों पर मंडराया संकट

**नेशनल डेस्क।** कोरोना वायरस संकट के बीच कुवैत एक ऐसा कानून लागू करने जा रहा है जिससे वहां काम कर रहे भारतीयों पर बुरा असर पड़ेगा। गल्फ न्यूज की रिपोर्ट के मुताबिक, कुवैत की नेशनल एसेंबली की कानूनी और विधायी समिति ने प्रवासी कोटा बिल के मसौदे को मंजूरी दे दी है जिससे 8 लाख भारतीय कामगारों को कुवैत छोड़ना पड़ सकता है। नेशनल एसेंबली की कानूनी और विधायी समिति ने तय किया है कि प्रवासी कोटा बिल का मसौदा संवैधानिक है। इस बिल के मुताबिक, प्रवासी भारतीयों (किसी भी एक देश के प्रवासियों की संख्या) की संख्या कुवैत की आबादी के 15 फीसदी से ज्यादा नहीं होनी चाहिए। अभी इस बिल को संबंधित समिति के पास विचार के लिए भेजा जाएगा। अब बिल पास हो जाता है तो करीब आठ लाख भारतीयों को कुवैत छोड़ना पड़ सकता है। यहां के प्रवासी समुदाय में सबसे ज्यादा संख्या भारतीयों की है। कुवैत की कुल आबादी 43 लाख है जिसमें से 30 लाख प्रवासी हैं यानि कि कुल प्रवासियों में 14.5 लाख भारतीय हैं। बिल पास होने पर भारतीयों की संख्या 6.5-7 लाख तक सीमित कर दी जाएगी। वहीं भारत सरकार को रेमिटेंस के रूप में बड़ा आर्थिक नुकसान उठाना पड़ेगा। कुवैत के प्रवासी भारतीयों से भारत को अच्छा खासा रेमिटेंस (वहां के प्रवासी जो पैसा अपने घर भेजते हैं) मिलता है। 2018 में कुवैत से भारत को 4.8 अरब डॉलर का रेमिटेंस हासिल हुआ था। यह कानून सिर्फ भारतीयों पर ही नहीं बल्कि सभी प्रवासियों पर लागू होगा। कोरोना के कारण कुवैत की अर्थव्यवस्था काफी चरमरा गई है जिस कारण कई महीनों से कुवैत में प्रवासियों को लेकर बहस छिड़ी हुई थी। सांसद और सरकारी अधिकारी विदेशी नागरिकों की संख्या कम करने की मांग कर रहे थे। आखिरकार अब कुवैत सरकार प्रवासियों की संख्या घटाने पर विचार कर रहा है।

### संक्षिप्त समाचार

## कोरोना से जंग, भारत में एक करोड़ से अधिक लोगों के नमूनों की हुई जांच

**नेशनल डेस्क।** भारत में सोमवार तक कोविड-19 संक्रमण की पुष्टि के लिए एक करोड़ से अधिक नमूनों की जांच हो चुकी है। आईसीएमआर के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार देश में कोविड-19 के 24,248 नए मामले सामने आने के बाद देश में कोरोना वायरस संक्रमण के कुल मामले सोमवार को सात लाख के पास पहुंच गए। वहीं, 425 संक्रमित लोगों की मौत के बाद देश में इस बीमारी से मरने वालों की संख्या 19,693 हो गई। भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) के वैज्ञानिक और मीडिया समन्वयक डॉ लोकेश शर्मा ने कहा कि छह जुलाई सुबह 11 बजे तक कुल 1,00,04,101 लोगों की कोरोना वायरस की जांच की गई है, जिनमें से 1,80,596 लोगों की जांच पांच जुलाई को की गई। उन्होंने बताया कि देश में कोरोना वायरस के नमूनों की जांच के लिये अब कुल 1,105 प्रयोगशालाएं हैं, जिनमें 788 सार्वजनिक क्षेत्र में जबकि 317 निजी क्षेत्र में हैं। एक जुलाई तक देश भर में कुल 90 लाख जांचें हो चुकी थीं। शर्मा ने कहा कि 25 मई तक जांच क्षमता तकरीबन 1.5 लाख प्रतिदिन थी जिसे बढ़ाकर अब तीन लाख प्रतिदिन कर दिया गया है।आईसीएमआर ने कहा कि सिर्फ एक प्रयोगशाला, पुणे स्थित राष्ट्रीय विषाणु विज्ञान संस्थान (एनआईवी), से जांच शुरू हुई थी और लॉकडाउन की शुरूआत में यह 100 था। आगे चलकर 23 जून को आईसीएमआर ने 1,000 जांच प्रयोगशालाओं को मंजूरी दी। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने पहले कहा था कि केंद्र सरकार कोविड-19 जांच क्षमता को बढ़ाने के लिए कई आवश्यक कदम उठा रही है। सरकार ने कहा कि आईसीएमआर की ओर से सुझाए गए जांच के विभिन्न तरीकों का इस्तेमाल करते हुए सभी राज्य सरकारें, सरकारी और निजी संस्थाएं कोविड-19 की जांच के दायरे को बढ़ाने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाएं। 'जांच-निगरानी-उपचार की रणनीति को दोहराते हुए केंद्र ने पिछले सप्ताह कहा था कि कोविड-19 जांच प्रयोगशालाओं का पूरी तरह उपयोग सुनिश्चित किया जाए।

## कोरोना से हारे डॉक्टर प्रसाद, तीन हफ्ते तक लड़ी वायरस से जंग

**नेशनल डेस्क।** हैदराबाद में सीनियर डॉक्टर केवीआर प्रसाद कोरोना से जंग हार गए। 85 साल के डॉक्टर प्रसाद की 2 जुलाई को कोरोना से मौत हो गई। शहर में कोरोना मामले बढ़ने के बीच भी डॉक्टर प्रसाद सीताफलमंडी के श्रीदेवी नर्सिंग होम में मरीजों का इलाज करते रहे। उनके बच्चों ने उन्हें अस्पताल जाने से भी रोका लेकिन ज्यादा समय तक वे घर पर नहीं रूके। 15 मार्च, 1936 को जन्मे डॉ प्रसाद ने पश्चिम बंगाल के बांकुरा मेडिकल कॉलेज में पढ़ाई की थी। उन्होंने छाती की बीमारियों से संबंधित चेस्ट हॉस्पिटल, हैदराबाद से स्नातकोत्तर डिप्लोमा प्राप्त किया था। डॉक्टर प्रसाद ने सीताफलमंडी के एक छोटे से क्लीनिक में प्रैक्टिस शुरू की थी। धीरे-धीरे उन्होंने छोटे से क्लीनिक से उन्होंने 150 बिस्तरों वाले नर्सिंग होम की शुरुआत की। शहर के कई लोग उनके पास इलाज करवाने आते थे क्योंकि उन्हें डॉक्टक प्रसाद पर काफी बरोसा था। वे हर दिन 100 से ज्यादा मरीजों को देखते थे। 85 साल की उम्र होने के बावजूद भी उनको कोई हेल्थ इश्यू नहीं थे। कोरोना के बढ़ते केसों के बीच भी वे हर दिन 100 के करीब ही मरीजों को देखते थे। 10 जून को उनको गले में खराश और हल्का बुखार महसूस हुआ तो उनके बच्चों ने उनको अस्पताल जाने से रोका लेकिन तब उन्होंने जवाब दिया कि मेरे मरीजों को कौन देखेगा। बच्चों की जिद्द पर जब उनका कोरोना टेस्ट हुआ तो वे पॉजिटिव पाए गए। डॉक्टर प्रसाद ने करीब तीन हफ्ते तक कोरोना से जंग लड़ी लेकिन आखिर में इससे हार गए।

## पाक सेना ने जम्मू कश्मीर के पुंछ में एलओसी के पास अग्रिम क्षेत्रों में गोलाबारी की

**जम्मू ।** पाकिस्तान की सेना ने रविवार को जम्मू कश्मीर के पुंछ जिले में नियंत्रण रेखा (एलओसी) के पास अग्रिम क्षेत्रों पर बिना उकसावे के गोलाबारी की। सेना के एक प्रवक्ता ने यह जानकारी दी। प्रवक्ता ने कहा, सात बज कर करीब 45 मिनट से पाकिस्तान ने बालाकोट सेक्टर में एलओसी के पास छोटे हथियारों से गोलीबारी और मोर्टार से गोलाबारी करके बिना उकसावे के संघर्ष विराम का उल्लंघन किया। उन्होंने कहा कि भारतीय पक्ष में किसी के हताहत होने की कोई खबर नहीं है।

## गुजरात में भारी बारिश से बाढ़ जैसे हालात, द्वारिका में सड़क पर तैरती दिखीं गाड़ियां

**नेशनल डेस्क।** गुजरात के कई जिलों में रविवार को भारी बारिश हुई। देवभूमि द्वारका जिले के खाम्भालिया तहसील में दिन में 434 मिलीमीटर बारिश हुई। इस तहसील में शाम 6 से रात 8 बजे के बीच दो घंटे के दौरान 292 मिलीमीटर बारिश हुई, जिससे इलाकों में काफी पानी भर गया। कुछ कॉलोनियों में पानी भरने के कारण गाड़ियां तैरने लगी हैं, जबकि सड़कों का तो बुरा हाल रहा। अधिकारियों ने बताया कि सौराष्ट्र के पोरबंदर, गिर सोमनाथ, जूनागढ़ और अमरेली जिलों के साथ-साथ दक्षिण गुजरात के वलसाड और नवसारी जिलों में भी दिनभर भारी बरसात हुई। भारतीय मौसम विभाग के अहमदाबाद केंद्र ने अगले तीन दिनों के दौरान सौराष्ट्र, उत्तर और दक्षिण गुजरात में भारी बारिश का पूर्वानुमान जताया है। पुलिस ने बताया कि सुरेंद्रनगर जिले में बिजली गिरने से एक किसान की जान चली गई जबकि एक व्यक्ति के डूबने का अंदेशा है। वह एक पिकअप वैन में सफर कर रहा था जो पानी की तेज लहरों में बह गई। राज्य आपात अभियान केंद्र के अनुसार, सुबह से रात 8 बजे तक पोरबंदर के राणावाव में 152 मिलीमीटर, पोरबंदर में 120 मिलीमीटर, गिर सोमनाथ के सुत्रपाडा में 103 मिलीमीटर, नवसारी के चिखली में 99 मिलीमीटर, वलसाड के परदी में 98 मिलीमीटर बारिश हुई है।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

## संपादकीय

# बढ़ेगी सेना की आक्रामकता

भारत और चीन के बीच पूर्वी लद्दाख में गत दिनों हुए सैनिक संघर्ष और लगातार जारी तनाव के बीच भारत अपनी रक्षा तैयारियों को और अधिक मजबूत कर रहा है। इस सिलसिले में रक्षा मंत्रालय ने बीते बृहस्पतिवार को 33 नये लड़ाकू विमान और मिसाइल प्रणाली समेत अत्याधुनिक हथियारों की खरीद के लिए 38 हजार 900 करोड़ रुपये के प्रस्तावों को मंजूरी दी है। केंद्र सरकार का यह निर्णय महझ्वपूर्ण और दूरदर्शितापूर्ण है। चीन की विस्तारवादी नीति उसके राजनीतिक आदर्शवाद का महझ्वपूर्ण हिस्सा है। दूसरे देशों की सीमाओं का अतिक्रमण करना उसकी वैश्विक नीति है। इसलिए भारत को हमेशा चीन के साथ सतर्क रहने की आवश्यकता है। भारत सरकार ने अपनी रक्षा तैयारियों को मजबूत करने की दिशा में जिन रक्षा सौदों की घोषणा की है, उससे प्रधानमंत्री मोदी के आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को बल मिलेगा और भारतीय सेना की आक्रामक शक्तियों का विस्तार होगा। इस रक्षा सौदे ने स्वदेशी ड़िजाइन और विकास पर भी जोर दिया गया है। इसके लिए 31,130 करोड़ रुपये की रक्षा सामग्री भारतीय उद्योगों से खरीदी जाएगी। रक्षा मंत्रालय ने रूस के साथ भी 12 सुखोई और 21 मिग-29 युद्धक विमान खरीदेगा। रूस के साथ होने वाले सौदों के लिए 18,148 करोड़ रुपये का बजट है। इन रक्षा सौदों के ऐलान के पहले प्रधानमंत्री मोदी और रूस के राष्ट्रपति ब्लादिमीर पुतिन के बीच फोन पर बातचीत हुई। भारत और रूस के बीच पुरानी सामरिक साझेदारी है। बातचीत में पुतिन ने भारत के साथ सामरिक साझेदारी मजबूत करने की बात दोहराई। दरअसल, भारत-चीन संघर्ष में रूस की भूमिका इसलिए भी निर्णायक हो जाती है कि वह नई दिल्ली और बीजिंग, दोनों को आधुनिक साजो सैन्य सामान की आपूर्ति करता है। सबसे महझ्वपूर्ण बात यह है कि रूस ने अभी पिछले दिनों चीन को मिसाइल रक्षा प्रणाली एस-400 की आपूर्ति की है। रूस भारत को चीन से अधिक क्षमता वाली मिसाइल प्रणाली सौंपने वाला है। पिछले दिनों रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने मास्को की यात्रा की थी। इस यात्रा के दौरान रूस ने राजनाथ सिंह को भरोसा दिलाया है कि वह एस-400 की पहली खेप की आपूर्ति समय से एक साल पहले कर देगा। यदि ऐसा होता है तो एस-400 प्रणाली भारत को इस साल के अंत तक मिल जाएगी। यह भी संभव है कि राजपथ पर अगली परेड़ में देशवासी इस प्रणाली को देख सकें।

# कृष्ण-बुद्ध के संदेश

आपराधिक मंसूबों से पूरी दुनिया को गहरे कोरोना संकट में धकेलकर अपनी विस्तारवादी नीति से पड़ोसी देशों को आतंकित करने वाले चीन को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लेह के अग्रिम मोर्चे पर पहुंचकर करारा संदेश दिया है कि विस्तारवाद की नीतियों का दौर चला गया। साम्राज्यवादी ताकतों ने पिछली सदी में मानवता को नुकसान पहुंचाया है। विस्तारवादी मंसूबे पालने वाले भुला दिये गये हैं और उन्हें शांतिप्रिय दुनिया के सामने झुकना पड़ा है। यह विकासवाद का युग है। चीन को नसीहत देते हुए स्पष्ट कर दिया कि बांसुरीधारी श्रीकृष्ण की पूजा करने वाले देश में उनके सुदर्शन चक्रधारी रूप को भी पूजा जाता है। साथ ही बड़ी बुद्धमत की आबादी वाले चीन को यह भी समझा दिया कि गौतम बुद्ध ने साहस का मतलब प्रतिबद्धता बताया था। साहस करुणा है। साहस के मायने हैं कि हम निर्भीक-अडिग होकर सत्य के पक्ष में खड़े रहें। निस्संदेह उनके शब्दबाण ने चीन के मर्म पर चोट की है। तभी चीनी विदेश मंत्रालय को कहना पड़ा कि बातचीत से रास्ता निकालने की कोशिश होनी चाहिए। चीन अपने पड़ोसियों को मनोवैज्ञानिक दबाव में डालकर अपने मंसूबे पूरा करना चाहता है। गलवान की घटना की देशव्यापी प्रतिक्रिया ने चीन को अहसास करा दिया है कि उसने एक भरोसेमंद पड़ोसी और व्यापार की संभावनाओं को खोया है। निश्चित रूप से नरेंद्र मोदी के अचानक दौरे से बेहद विषम परिस्थितियों में देश की सीमाओं की रक्षा में जुटे सैनिकों का मनोबल बढ़ा है। अपने ओजस्वी संबोधन से वे हर वर्ग के लोगों में उत्साह भरते हैं, फिर जवानों के लिए तो उनके शब्द ओज व वीरता के परिचायक होते हैं। रामधारी सिंह दिनकर की पंक्तियां 'जिनके सिंहनाद से सहमी, धरती रही अभी तक डोल, कलम आज उनकी जय बोल' निस्संदेह सैनिकों का मनोबल बढ़ाएगी। साथ ?ही वीर भोग्या वसुंधरा का संदेश कि वीर अपने शस्त्र की शक्ति से ही मातृभूमि की रक्षा करते हैं।

दूसरी ओर, भारत ने हाल ही में जमीन से आसमान तक अपनी ताकत बढ़ाने की कोशिश के क्रम में बड़े रक्षा सौदे को मंजूरी देकर अपनी रक्षा तैयारियों को पुख्ता करने का प्रयास किया है। कोशिश है कि यदि युद्ध जैसी स्थिति पैदा होती है तो उसका मुकाबला किया जा सके। वीरता को शांति की पूर्व शर्त बताते हुए प्रधानमंत्री ने रक्षा तैयारियों के निहितार्थ भी दुनिया को बताये। उन्होंने कहा कि आज यदि भारत जल, थल, नभ व अंतरिक्ष में अपनी ताकत को बढ़ा रहा है तो उसके पीछ का लक्ष्य मानव कल्याण ही है। विश्व युद्ध हो या शांतिकाल, दुनिया ने भारत के वीरों का पराक्रम देखा है। हमारी प्राथमिकता मानवता की रक्षा रही है। रक्षा-सुरक्षा का हमारा सामर्थ्य और संकल्प हिमालय जैसा ऊंचा है। इस दौरे के दौरान गलवान में चीन सैनिकों को मुंहतोड़ जवाब देने वाले 14 कोर की जांबाजी को सराहने के साथ मोदी ने घायल सैनिकों से मुलाकात करके उनका उत्साहवर्धन भी किया। चीन सीमा पर तनाव के बीच जारी इन घटनाक्रमों पर पूरी दुनिया की नजर है। खासकर नीमू में अग्रिम मोर्चे पर गलवान घटनाक्रम के 18 दिन बाद प्रधानमंत्री की सक्रियता के तत्काल बाद चीन की प्रतिक्रिया को इसी क्रम में देखा जाना चाहिए। अंतर्राष्ट्रीय जगत चीन की दादागीरी को गंभीरता से देख रहा है। बुधवार को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा भी कि भारत के साथ सीमा पर चीन की आक्रामकता चीन के व्यापक पैटर्न का हिस्सा है। चीन की यह आक्रामकता केवल भारत के साथ ही नहीं बल्कि कई देशों के साथ है। इससे चीनी कम्यूनिस्ट पार्टी का असली चेहरा बेनकाब होता है। हांगकांग के मुद्दे पर अमेरिका, ब्रिटेन व अन्य यूरोपीय देश चीन से खफा हैं।

# विस्तारवाद पर ग्लोबल प्रहार

उपेन्द्र राय

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अपनी तमाम खूबियों के साथ ही आउट ऑफ द बॉक्स सोच के लिए भी जाने जाते हैं। इस सोच से सांप भी मर जाता है और लाठी की सेहत पर भी कोई असर नहीं पड़ता। लद्दाख की सीमा से उनकी ललकार के मायने कुछ इसी तरह से निकाले जा रहे हैं।

प्रधानमंत्री ने नाम लिये बिना बेहद सख्त अंदाज में चीन को भारत के मन की बात बता दी। वैसे यह काम दिल्ली की चाक-चौबंद सुरक्षा के बीच बैठे-बैठे भी हो सकता था, लेकिन युद्ध की आशंका की आहट से पहले मोर्चे पर पहुंचकर जो कुछ हुआ है तो उसके पीछे का संदेश बेहद खास है। यह दुश्मन की चौखट पर पहुंचकर, उसका दरवाजा खुलवाकर, उसकी आंख में आंख डालकर समझाने जैसा है कि अब उसकी कोई भी गलती माफी के काबिल नहीं होगी, और किसी भी ऐसी-वैसी गुस्ताखी की बड़ी कीमत चुकानी होगी। ठीक उसी तरह जैसे बंसी बजाने वाले कृष्ण जरूरत पड़ने पर सुदर्शन चक्र चलाकर दुश्मन का संहार करना भी जानते हैं। शांति को चुनौती देने वाले ऐसे खतरे का अलर्ट प्रधानमंत्री ने पिछले साल सितम्बर में संयुक्त राष्ट्र महासभा को संबोधित करते हुए भी दिया था। तब प्रधानमंत्री ने दुनिया को बुद्ध और युद्ध का दर्शन समझाया था।

उस संदेश में भी एक परोक्ष चेतावनी थी पाकिस्तान के लिए, कि भारत बुद्ध को मानता जरूर है, लेकिन सीमा पर शांति खतरे में पड़ेगी तो हम युद्ध से भी पीछे नहीं हटेंगे। शुक्रवार को प्रधानमंत्री ने जिस नीमू बेस कैंप का दौरा किया वो चीनी सीमा के साथ ही पाकिस्तानी बॉर्डर से भी ज्यादा दूर नहीं है पूर्व में एलएसी, पश्चिम में एलओसी यानी एक तीर से दो शिकार। नीमू बेस कैम्प से जवानों का हौसला बढ़ाने के बीच प्रधानमंत्री ने चीन के विस्तारवाद को लेकर ठीक ही कहा है कि जब विस्तारवाद जुनून बन जाए तो वह विश्व शांति के लिए खतरा बन जाता है। हमारे लिए तो चीन तभी से खतरा है, जब उसने तिब्बत पर धोखे से कब्जा जमा लिया था। तब चीन की उस हरकत को डॉ. राम मनोहर लोहिया ने 'शिशु हत्या' बताते हुए तत्कालीन सरकार को चीन से सावधान रहने की सलाह दी थी। डॉ. लोहिया की सात दशक पुरानी वो सलाह आज दुनिया के एक बड़े हिस्से के लिए सबक बन चुकी है। अपनी विस्तारवादी नीतियों के कारण चीन आज पूरी दुनिया के लिए खतरा बन गया है।

> “ दिलचस्प बात यह है कि हमारे देश में इस पर बहुत कमबात हुई है कि चीन स्वाभाविक रूप से हमारा पड़ोसी नहीं हैं, बल्कि वो जबरन पड़ोस में आकर बैठ गया है। 50 के दशक में उसने तिब्बत पर कब्जा जमाया, जहां से वो सिक्किम को मान्यतादेने के बावजूद घुसपैठ से बाज नहीं आता है। यही हाल उत्तराखंड का है, जहां नक्शे में अदला-बदली करके वो हमारे क्षेत्र पर दावा ठोकता रहता है, लेकिन गलवान घाटी में चीन की ताजा हिमाकत उसके विस्तारवादी मंसूबों को अंत की शुरूआत बन सकती है। ”

जमीनी और समुद्री सरहदों को लेकर चीन इस वक्त कम-से-कम 23 देशों का सिरदर्द बना हुआ है। चीन में शामिल 41 लाख वर्ग किलोमीटर का इलाका उसने दूसरे देशों से हथियाया है। यह चीन के मौजूदा क्षेत्रफल का 43 फीसद हिस्सा है, यानी करीब-करीब आधा चीन दूसरे देशों से हड़पी गई जमीन को मिलाकर बना है। जमीन हथियाने की उसकी यह नीति साल 1949 से चली आ रही है जब वहां कम्युनिस्ट शासन की स्थापना हुई थी। तुर्किस्तान इस नीति का पहला शिकार हुआ जब चीन ने उसका पूर्वी हिस्सा हड़प लिया। आगे चलकर मंगोलिया, हांगकांग, मकाऊ सब उसी सिलसिले की कड़ियां बनते गए। चीन की सरहद से 14 देश जुड़े हैं और हर देश की सरहद खतरे में है यहां तक कि रूस और उत्तरी कोरिया भी दोस्ती के बावजूद चीन को भरोसे के काबिल नहीं समझते हैं। चीन की विस्तारवादी जिद जमीनी सीमाएं पार करने के साथ ही समुद्र को भी लांघ चुकी हैं। चारों ओर से समुद्र से घिरे ताइवान पर चीन की लंबे समय से नजर है। दक्षिण चीन सागर में ताइवान के अलावा चीन छह और देश इंडोनेशिया, मलेशिया, फिलीपींस, सिंगापुर, वियतनाम और ब्रुनेई में भी घुसपैठ की फिराक में रहता है। वैसे दावा तो वह दक्षिण चीन सागर के 90 फीसद इलाके पर करता है। यही हाल जापान के आठ द्वीपों का भी है। दिलचस्प बात यह है कि हमारे देश में इस पर बहुत कम बात हुई है कि चीन स्वाभाविक रूप से हमारा पड़ोसी नहीं है, बल्कि वो जबरन हमारे पड़ोस में आकर बैठ गया है। 50 के दशक में उसने तिब्बत पर कब्जा जमाया, जहां से वो सिक्किम को मान्यता देने के बावजूद घुसपैठ से बाज नहीं आता है। यही हाल उत्तराखंड का है, जहां नक्शे में अदला-बदली करके वो हमारे क्षेत्र पर दावा ठोकता रहता है, लेकिन गलवान घाटी में चीन की ताजा हिमाकत उसके विस्तारवादी मंसूबों के अंत की शुरु आत बन सकती है। चीन के 59 ऐप्स पर डिजिटल स्ट्राइक, अरबों रु पये के करार तोड़ने और चीन को पाकिस्तान के साथ 'प्रायर रेफरेंस कंट्री' की लिस्ट में डालकर मोदी सरकार ने बिल्ली के गले में जो घंटी बांधी है, उसके असर से भारत की अगुवाई में चीन के खिलाफ एक ग्लोबल गठबंधन बड़ी तेजी से आकार लेने लगा है। चीनी कंपनियों को दुनिया भर से बुरी खबरें मिलनी शुरू हो गई हैं। ट्रंप सरकार ने हुआवे और जेडटीई को सुरक्षा वजहों से अमेरिका से अपना कारोबार समेटने का फरमान सुना दिया है। कनाडा ने तो हुआवे के एक अधिकारी को गिरफ्तार भी कर लिया था। हांगकांग, ताइवान, फिलीपींस से चीन का झगड़ा भी आक्रामक होता जा रहा है। इन सबके बीच चीन का ऑस्ट्रेलिया और वियतनाम से भी छत्तीस का आंकड़ा बन गया है। अमेरिका तो अब चीन से सीधे-सीधे टकराव के मूड में दिख रहा है। ट्रेड वॉर और कोरोना के कारण दोनों देशों के रिश्ते पहले से खराब चल रहे थे, वो और बिगड़कर शीत युद्ध वाले दौर के समान हो गए हैं। दक्षिण-पूर्व एशियाई देशों के लिए खतरा बन चुके चीन के कदम को रोकने के लिए अमेरिका यूरोप से अपनी सेना कम करके दूसरी जगहों पर नये सिरे से सैन्य जमावट कर रहा है। हालांकि अमेरिका की इस तैयारी को एक तीर से दो शिकार की कोशिश भी कहा जा सकता है जिसमें चीन पर निशाना लगाने के साथ ही वो हिंद महासागर में अपने हितों पर भी नजर रख सकता है।

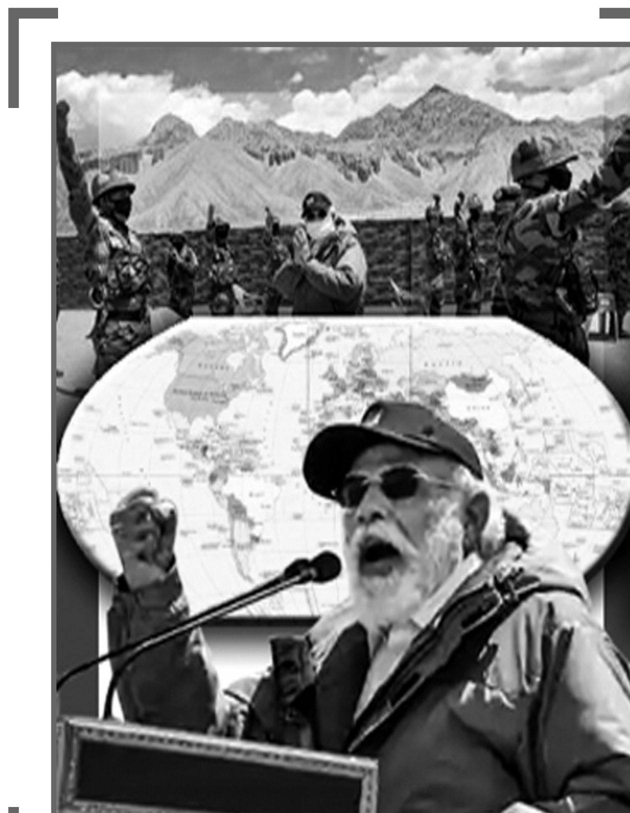

बहरहाल मौजूदा हालात में हमारे लिए संदेश बेहद साफ है। चीन एलएसी के साथ ही पीओके, नेपाल, भूटान और तिब्बत की सीमाओं के करीब सड़क और रेल का जो नेटवर्क तैयार कर रहा है, उसका मकसद केवल आर्थिक गतिविधियों को रफ्तार देना भर नहीं है। यह हमारे लिए पहले से ज्यादा सावधान हो जाने का संकेत है। हालांकि प्रधानमंत्री के सिंहनाद के बाद चीन ने जिस मिमियाने वाले अंदाज में दोनों ओर से संयम बरतने की अपील की है, वो तो यही बताता है कि कूटनीतिक स्तर पर सक्रियता और सैन्य जमावट में आक्रामकता बढ़ाकर सरकार ने लंबे समय के लिए बेशक नहीं, लेकिन फिलहाल तो चीन पर नकेल कसने में कामयाबी जरूर हासिल कर ली है।

## वैश्विकी

# नेपाल का ओली संकट

डॉ. दिलीप चौबे

नेपाल के प्रधानमंत्री के.पी. शर्मा ओली भारत के भूभाग को नेपाल के मानचित्र में शामिल करने की कवायद में इतने मशगूल हो गए कि उन्हें यह पता ही नहीं लगा कि उनके पांव के नीचे उनकी राजनीतिक जमीन खिसक रही है। पिछले संसदीय चुनाव के बाद एकीकृत नेपाल कम्युनिस्ट पार्टी को राष्ट्रीय पंचायत (संसद) में करीब दो तिहाई बहुमत मिला था। और यह आशा की जा रही थी कि देश में राजनीतिक स्थिरता कायम होगी। अभूतपूर्व बहुमत के बावजूद नेपाली कम्युनिस्ट पार्टी के वरिष्ठ नेताओं के बीच मनमुटाव और राजनीतिक महत्त्वाकांक्षा के कारण हालात एकदम बदल गए हैं। नेपाल में सत्ता परिवर्तन की पूरी संभावना है।

नेपाल कम्युनिस्ट पार्टी का गठन के.पी. शर्मा ओली की पार्टी नेपाली कम्युनिस्ट पार्टी (एकीकृत माक?सवादी-लेनिनवादी) और पूर्व प्रधानमंत्री पुष्प कमल दहल प्रचण्ड की पार्टी माओवादी सेंटर के विलय से हुआ था। विलय के समय सरकार और पार्टी के संचालन के लिए आपसी सहमति बनी थी। कालांतर में इन नेताओं की राजनीतिक महत्त्वाकांक्षा और हठधर्मिता के कारण यह सहमति बिखर गई। पार्टी की स्थायी समिति की बैठक में चार वरिष्ठ नेताओं प्रचण्ड, माधव कुमार नेपाल, झालानाथ खनाल और वामदेव गौतम ने पार्टी प्रमुख और प्रधानमंत्री पद से ओली के त्यागपत्र की मांग की। ओली ने इस मांग को अस्वीकार कर दिया और वे ऐन-केन-प्रकारेण अपनी गद्दी बचाने के लिए जोड़-तोड़ करने लगे। सत्तारूढ़ कम्युनिस्ट पार्टी के नेताओं के बीच सत्ता की रस्साकसी के पहले ओली ने नेपाली राष्ट्रवाद का कार्ड खेला था।

उन्होंने उत्तराखंड में स्थित भारत के भूभाग कालापानी, लिपूलेख और लिम्पयाधुरा को नेपाल के मानचित्र में शामिल करने की पहल की थी। इस राष्ट्रवादी मुहिम का देश की कोई भी पार्टी विरोध नहीं कर सकती थी। परिणामस्वरूप भारतीय भूभाग को नेपाल के रजनीतिक नक्शे में शामिल कर लिया गया। ओली की इस तिकड़म से उन्हें तात्कालिक राहत जरूर मिली, लेकिन इससे वह सरकार और पार्टी के स्तर पर अपनी असफलताओं को नहीं छुपा सके। मानचित्र को वैधानिक स्वरूप मिलने के तुरंत बाद उनके खिलाफ बगावत ने जोर पकड़ लिया। इस पूरे घटनाक्रम में महत्त्वपूर्ण बात यह है कि ओली की पुरानी पार्टी नेपाली कम्युनिस्ट पार्टी (एकीकृत माक?सवादी-लेनिनवादी) के वरिष्ठ नेता पूर्व प्रधानमंत्री माधव कुमार नेपाल भी ओली के विरुद्ध हो गए। पार्टी में अब प्रचण्ड, माधव नेपाल और ओली विरोधी अन्य नेताओं का शक्तिशाली खेमा तैयार हो गया है। ओली का राजनीतिक भविष्य तय करने के लिए पार्टी की स्थायी समिति की बैठक को टाला जा रहा है, लेकिन जब भी यह बैठक होगी तब ओली बैठक में अल्पमत में रहेंगे।

इस बीच ओली ने वर्तमान राजनीतिक समीकरण से अलग हटकर अपनी गद्दी बचाने की मुहिम शुरू कर दी है। उनका प्रयास है कि पार्टी का विभाजन हो जाए और वह विपक्षी नेपाली कांग्रेस का समर्थन हासिल करके प्रधानमंत्री बने रहें, लेकिन पार्टी विभाजन के रास्ते में एक संवैधानिक बाधा है। विभाजन के लिए जरूरी है कि पार्टी निकाय और संसदीय दल के 40 प्रतिशत सदस्यों की सहमति प्राप्त हो। मौजूदा राजनीतिक समीकरण में यह संभव नहीं है। ओली का प्रयास है कि वह अध्यादेश के जरिये इस अड़चन को दूर करे। इस काम में देश की राष्ट्रपति विद्या भंडारी की भूमिका पर सबकी नजर है। भंडारी ओली की पुरानी सहयोगी रही हैं। पूरी संभावना है कि वह अध्यादेश जारी करने से इनकार नहीं करेंगी। इस बीच ओली की सलाह पर भंडारी ने संसद का सत्रावसान कर दिया है। इस कारण सदन में ओली हार का सामना करने से बच गए हैं।

अपनी गद्दी डांवाडोल होते देख ओली ने यह आरोप लगाया है कि उन्हें हटाने के लिए भारत में साजिश चल रही है। उनका आरोप है कि भारत देश के नये मानचित्र को लेकर उनसे बदला लेना चाहता है। ओली के इन आरोपों को कोई गंभीरता से नहीं ले रहा है। स्थायी समिति की पिछली बैठक में प्रचण्ड ने साफ शब्दों में कहा कि 'भारत नहीं बल्कि मैं पार्टी प्रमुख और प्रधानमंत्री पद से आपके इस्तीफे की मांग करता हूं।' नेपाल के पूरे घटनाक्रम का संदेश यह है कि सुशासन और सबको साथ लेकर चलने की राजनीति का कोई विकल्प नहीं है। दूसरे देशों पर आरोप लगाने अथवा अपनी गद्दी बचाने के लिए बाहरी ताकतों का सहयोग हासिल करने की कोशिश सफल नहीं हो सकती।

## बतंगड़ बेतुक

# चीन, कोरोना और ईश्वर-अल्लाह

विभांशु दिव्याल

झल्लन आजकल न बहकता था न चहकता था। बस आते ही मुंह लटका लेता था, गर्दन झुका लेता था। वह आया तो हमने उसे अपने पास बिठाया और समझाया, 'देख झल्लन, जब हालात काबू से बाहर हो जायें, न हम कुछ जान पायें न कर पायें तो बेहतर यही होता है कि हम खुद को ज्यादा न उलझाएं, खुद को समझाएं और मन के लिए थोड़ी शांति पायें।' झल्लन झुंझलाता-सा बोला, 'ददाजू, आप किस मिट्टी के बने हो जो ऐसी बात कर ले रहे हो, चारों तरफ हाहाकार मचा हुआ है और आप शांति का प्रवचन दे रहे हो। इधर कोरोना ने हमें झकझोर डाला है, चीन ने दुत्कार डाला है, हर देशभक्त इंसानियत का पुजारी खुद को मायूस और लाचार पा रहा है और आपको शांति का शुगूफा याद आ रहा है।' हमने कहा, 'तो बता, तू क्या करना चाहता है, अपनी परेशानी का क्या हल चाहता है?' वह बोला, 'हल होता तो हम यूं हलकान नहीं हो रहे होते और मुंह लटकाए इस तरह नहीं रो रहे होते। सच कहें ददाजू, अब तो हमें लगने लगा है कि न तो हम कोरोना को हरा पाएंगे और न चीन को डरा पाएंगे, लाखों लोग मौत के मुंह में समा जाएंगे और हम सिर्फ मातम मनाएंगे। लगता है हम कहीं के नहीं रहेंगे और अब हमारी रक्षा ईश्वर-अल्ला ही करेंगे।'

हमने कहा, 'जितनी जल्दी हो अपनी गलतफहमी दूर कर ले और अपने दिमाग के ढांचे को दुरुस्त कर ले। ईश्वर-अल्ला कमजारों की हिफाजत कभी नहीं करते हैं, ये हमेशा ताकतवर के साथ रहते हैं। जब तक कोरोना ताकतवर रहेगा तब तक ये कोरोना के साथ रहेंगे और जब तक चीन ताकतवर रहेगा ये चीन के साथ रहेंगे।' झल्लन बोला, 'ददाजू, क्यों उल्टा पाठ पढ़ा रहे हो, जो हम अपनी पैदाइश के साथ सुनते-सीखते आये हैं उसे फूंक से उड़ा रहे हो। हर कोई जानता है कि जब कमजोर की कोई नहीं सुनता तब अल्ला सुनता है, उस पर करम करता है। जब गरीब को भूख लगती है और कोई रोटी नहीं देता तो ईश्वर देता है, हर गरीब का पेट भरता है।'

हमने कहा, 'यह मानव इतिहास का सबसे बड़ा और सबसे ज्यादा जमाया हुआ झूठ है जो लगातार चला आ रहा है और अब तक करोड़ों करोड़ लोगों को भरमा रहा है। सच बात यह है कि जो कमजोर होता है वह तब तक सहता है जब तक सह पाता है, नहीं तो टूटकर बिखर जाता है। जीने की कोशिश में जितना जी पाता है उतना जी पाता है, नहीं तो निपट जाता है, उसके जीने और निपटने के बीच न ईश्वर आता है न अल्ला आता है।'

झल्लन बोला, 'तो फिर गरीब और कमजोर की रक्षा कौन करता है, कौन उन्हें बचाता है और कौन उनकी जिंदगी चलाता है?'

हमने कहा, 'गरीब और कमजोर की न कोई रक्षा करता है, न कोई उन्हें बचाता है। मतलब यह कि जिसकी रक्षा नहीं होती और जिसे ताकत नहीं मिलती वही गरीब और कमजोर रह जाता है।' झल्लन बोला, 'ददाजू, जब भी आपके मुंह से ऐसी कोई बात निकल कर आती है तो हमारी खोपड़ी उलट जाती है। गरीब के नाम पर इतने दान-पुण्य होते हैं, इतने काम-धंधे चलते हैं, सरकार की योजनाएं बनती हैं, कानून बनते हैं, लोग दुआ-प्रार्थना करते हैं तो ये सब काहे करते हैं? गरीब के लिए नहीं करते तो किसके लिए करते हैं?' हमने कहा, 'देख झल्लन, गरीब के नाम पर जो ये सब करते हैं वो सिर्फ और सिर्फ पाखंड रचते हैं। एक इंसान गरीब और कमजोर होता ही इसलिए है कि दूसरा इंसान अमीर और ताकतवर होता है। गरीब तो ताउम्र अपने कंधों पर अमीर ताकतवर का बोझ ढोता है। जब तक आप एक की अमीरी और ताकतवरी को अपराध नहीं ठहरा सकते तब तक आप गरीब की मदद नहीं कर सकते, गरीबी नहीं मिटा सकते। लेकिन ईश्वर-अल्ला वाले इतने धूर्त और पाखंडी होते हैं कि यहां भी ईश्वर-अल्ला को घसीट लाते हैं। जो गरीब निपट जाते हैं उनको ईश्वर-अल्ला की सजा बताते हैं और जो बच जाते हैं उन्हें ईश्वर-अल्ला की कृपा बताते हैं। बेचारे कमजोर लोग हर बार उनके बनाए जाल में फंस जाते हैं। कहीं भी देख ले ईश्वर-अल्ला वाले अमीर और ताकतवर के पक्ष में खड़े नजर आते हैं।'

झल्लन बोला, 'लेकिन ददाजू, अगर यही सच्चाई है तो इंसान जान क्यों नहीं पाता, इसे मान क्यों नहीं पाता?' हमने कहा, 'जो लोग ईश्वर-अल्ला की असलियत जानते हैं, इनकी सच्चाई को पहचानते हैं वे चीन की तरह ईश्वर-अल्ला को किनारे लगा देते हैं, इन्हें रास्ते से हटा देते हैं और खुद को ताकतवर बना लेते हैं। सच बात यह है कि मूर्ख और कमजोर लोग ईश्वर-अल्ला से डरते हैं और उनसे प्यार करते हैं, धूर्त लोग उन्हें बेचते हैं और उनका व्यापार करते हैं और ताकतवर लोग या तो अपनी ताकत के लिए इनका इस्तेमाल करते हैं या चीन की तरह ताकतवर बनने के लिए उन्हें अपनी जिंदगी से निकाल बाहर करते हैं।' हमने प्रवचन देकर झल्लन की ओर देखा तो वह उठ लिया और उठते-उठते बोला, 'हमें नहीं पता ददाजू कि कितना दिमाग से खिसक लिया और कितना हमने समझ लिया।'

## ओशो

# क्रेध

बुद्ध ने कहा है कि जब मैंने जाना तो पाया कि अदभुत हैं वे लोग, जो दूसरों की भूल पर क्रोध करते हैं! क्यों? तो बुद्ध ने कहा कि अदभुत इसलिए कि भूल दूसरा करता है, दंड वे अपने को देते हैं। मैं आपको गाली दूं और क्रोधित आप होंगे। दंड कौन भोग रहा है? दंड आप भोग रहे हैं, गाली मैंने दी! क्रोध में जलते हम हैं, राख हम होते हैं, लेकिन ध्यान वहां नहीं होता! इसलिए धीरे-धीरे पूरी जिंदगी राख हो जाती है और हमको भ्रम होता है कि हम जान गए हैं! हम जानते नहीं-क्रोध की सिर्फ स्मृति है, क्रोध के संबंध में शास्त्रों में पढ़े हुए वचन हैं और हमारा कोई अनुभव नहीं। जब क्रोध आ जाए तो उस आदमी को धन्यवाद दें, जिसने क्रोध पैदा करवा दियाग क्योंकि उसकी कृपा, उसने आत्मनिरीक्षण का एक मौका दिया; भीतर आपको जानने का अवसर दिया। उसको फौरन धन्यवाद दें कि मित्र धन्यवाद, और अब मैं जाता हूं, थोड़ा इस पर ध्यान करके वापस आकर बात करूंगा। द्वार बंद कर लें और देखें कि भीतर क्रोध उठ गया है। हाथ-पैर कसते हों, कसने दें; क्योंकि हाथ-पैर कसेंगे। हो सकता है कि क्रोध में, अंधेरे में, हवा में, घूंसे चलें; चलने दें। द्वार बंद कर दें और देखें कि क्या-क्या होता है। अपनी पूरी पागल स्थिति को जानें और पागलपन को पूरा प्रकट हो जाने दें अपने सामने। तब आप पहली बार अनुभव करेंगे कि क्या है यह क्रोध। जब इस पागलपन की स्थिति को अनुभव करेंगे तो कांप जाएंगे भीतर से, कि यह है क्रोध। यह मैंने कई बार किया था, दूसरे लोगों ने क्या सोचा होगा! मनोवैज्ञानिक कहते हैं, क्रोध संक्षिप्त रूप में आया हुआ पागलपन है, थोड़ी देर के लिए आया हुआ पागलपन है, क्षणिक पागलपन है। क्षण भर में आदमी उसी हालत में हो गया, जिस हालत में कुछ लोग सदा के लिए हो जाते हैं। क्रोध में जलते हुए आदमी में और पागल आदमी में मौलिक अंतर नहीं है। अंतर सिर्फ लंबाई का है। पागल आदमी स्थायी पागल है, क्रोधी आदमी अस्थायी पागल। दूसरे ने आपको क्रोध में देखा होगाग इसलिए दूसरे कहते हैं कि यह बेचारा कितना पागल हो गया है, यह क्या करता है? आपने कभी देखा है अपने को? अतः द्वार बंद कर लें। और अपनी पूरी हालत को देखें कि यह क्या हो रहा है। और रोकें मत, प्रकट होने दें, जो हो रहा है। और उसका पूरा निरीक्षण करें, तब आप पहली दफा परिचित होंगे, यह है क्रोध।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

# नेपोटिज्म को दरकिनार कर प्रियंका चोपड़ा ने ग्लोबली बनाई पहचान, देखिए करियर का सुनहरा सफर

**प्रियंका चोपड़ा ने #pcmaniacs हैशटैग के साथ अपना एक वीडियो शेयर किया है. इंस्टाग्राम पर शेयर किए गए इस वीडियो में प्रियंका चोपड़ा के करियर के 20 साल का सुनहरा सफर देखने को मिल रहा है.**

प्रियंका चोपड़ा (Priyanka Chopra) आज देश ही नहीं विदेशों में भी अपने हुनर का लोहा मनवा रही हैं. बॉलीवुड से अपने अभिनय करियर की शुरुआत करने वाली प्रियंका चोपड़ा ने हॉलीवुड इंस्डट्री में भी कई फिल्मों में काम किया है. 37 साल की इस एक्ट्रेस ने साल 2000 में मिस वर्ल्ड का खिताब अपने नाम किया था और इसके बाद से ही उनके करियर की गाड़ी चल पड़ी. प्रियंका चोपड़ा ने एक के बाद एक कई सफल फिल्मे दीं. प्रियंका चोपड़ा ने #pcmaniacs हैशटैग के साथ अपना एक वीडियो शेयर किया है. इंस्टाग्राम पर शेयर किए गए इस वीडियो में प्रियंका चोपड़ा के करियर के 20 साल का सुनहरा सफर देखने को मिल रहा है.

**साल 2000 में बनीं मिस वर्ल्ड:**

प्रियंका चोपड़ा ने अपने करियर के 20 साल पूरे कर लिए हैं. साल 2000 में प्रियंका चोपड़ा ने मिस वर्ल्ड का खिताब अपने नाम किया था. मिस वर्ल्ड पेजेंट के 50वें संस्करण में प्रियंका चोपड़ा ने जीत हासिल कर भारत का नाम गौरव से ऊंचा किया था. प्रियंका चोपड़ा ने पूरी दुनिया में अपनी पहचान बना ली है.

**अभिनय करियर की शुरुआत:**

प्रियंका चोपड़ा ने तमिल फिल्म 'थमिजान' से अपने फिल्मी करियर की शुरुआत की थी. वहीं साल 2003 में आई फिल्म 'द हीरो' से उन्होंने बॉलीवुड इंडस्ट्री में अपना पहला कदम रखा. प्रियंका चोपड़ा की पहली फिल्म कुछ खास कमाल नहीं दिखा पाई लेकिन वो निर्देशक और फिल्म मेकर्स की नजरों में अपनी पहचान बना चुकी थीं.

**बॉलीवुड फिल्में:**

प्रियंका चोपड़ा ने 'अंदाज', 'ब्लैकमेल', 'बरसात', 'डॉन', 'फैशन', 'कमीने', 'सात खून माफ', 'गुंडे, 'बाजीराव मस्तानी', 'द स्काई इज पिंक' सरीखे कई बॉलीवुड फिल्मों में काम किया. प्रियंका चोपड़ा बॉलीवुड की डिमांडिंग एक्ट्रेस में से एक हैं.

**हॉलीवुड फिल्में:**

बॉलीवुड ही नहीं हॉलीवुड इंडस्ट्री में भी प्रियंका चोपड़ा ने पहचान बनाई. 'बेवॉच', 'द किड लाइक जेक', 'इज नॉट इट रोमांटिक' जैसी फिल्मों में प्रियंका चोपड़ा का दमदार किरदार देखने को मिला.

**इंडस्ट्री के नेपोटिज्म को किया दरकिनार:**

प्रियंका चोपड़ा का बॉलीवुड इंडस्ट्री में कोई माई-बाप नहीं था. एक आउटसाइडर होने के बावजूद उन्होंने फिल्म इंडस्ट्री में खुद को बड़ी ही मजबूती के साथ बनाए रखा और कामयाबी हासिल कीं.

**विदेशी गायक से रचाई शादी:**

प्रियंका चोपड़ा ने विदेशी सिंगर निक जोनास से 1 दिसंबर 2018 को शादी रचा ली. लंबे अफेयर के बाद दोनों ने शादी कर ली. आज ये एक बेहतरीन कपल की तरह खुशनुमा शादीशुदा जिंदगी जी रहे हैं.

आपको बता दें, प्रियंका चोपड़ा की सिर्फ यही सफलता नहीं है, बल्कि सामाजिक कार्यों से भी वो काफी जुड़ी हैं. प्रियंका चोपड़ा ने बॉलीवुड से लेकर हॉलीवुड तक कई अवॉर्ड भी अपने नाम किए हैं. प्रियंका चोपड़ा के करियर का पूरा सफर इस वीडियो में आप देख सकते हैं.

# राहुल भट्ट को ट्विटर पर देनी पड़ी सफाई, बोले- 'मैं आलिया का भाई नहीं हूं'

नेपोटिज्म पर छिड़ी जंग के बीच स्टार किड्स को सोशल मीडिया पर जमकर ट्रोल किया जा रहा है. आलिया भट्ट (Alia Bhatt), सोनम कपूर, सोनाक्षी सिन्हा समेत कई स्टार्स ने सोशल मीडिया पर अपने कमेंट सेक्शन को ऑफ कर दिया है. बावजूद इसके यूजर्स उन पर निशाना साधने का कोई मौका नहीं छोड़ रहे हैं.

**ट्रोलर्स के निशाने पर राहुल भट्ट**

बॉलीवुड फिल्म 'अगली' फेम एक्टर राहुल भट्ट (Rahul Bhatt) को सोशल मीडिया साइट ट्विटर पर यूजर्स के उल्टे-सीधे कमेंट्स का सामना करना पड़ रहा है और उसकी वजह है उनका नामज दरअसल, सुशांत सिंह राजपूत के निधन के बाद से लोग बॉलीवुड एक्ट्रेस आलिया भट्ट पर नेपोटिज्म का प्रोडक्ट होने का इल्जाम लगा रहे हैं. अब चूंकि आलिया ने सोशल मीडिया पर अपने कमेंट सेक्शन को म्यूट कर दिया है तो यूजर्स उनसे जुड़े लोगों पर ताने कस रहे हैं. कुछ ऐसी ही ट्रोलिंग का शिकार हो रहे हैं राहुल भट्ट.

**रिश्ते पर देनी पड़ी सफाई**

सेलेब्रिटी ट्रेनर राहुल भट्ट आलिया भट्ट के सौतेले भाई हैं. उनका और फिल्म एक्टर राहुल भट्ट का नाम और सरनेम, सब एक होने की वजह से सोशल मीडिया यूजर्स एक्टर राहुल भट्ट की टाइमलाइन पर आलिया भट्ट के लिए हेट मैसेजेस पोस्ट कर रहे हैं. लोगों को लगता है कि वही आलिया के भाई हैंज इस पर राहुल भट्ट ने ट्विटर पर एक पोस्ट शेयर कर न सिर्फ उनके और आलिया के रिश्ते पर सफाई दी है, बल्कि उनकी एक्टिंग की तारीफ कर उन्हें नेपोटिज्म की डिबेट से बचाया भी है.

**यूजर्स से की गुजारिश**

राहुल भट्ट ने लिखा कि अगर आप लोग आलिया भट्ट को नेपोटिज्म का प्रोडक्ट मानते हैं तो आप गलत हैं. वे एक बेहतरीन और काबिल अदाकारा हैं, जो किसी फिल्म को अपनी एक्टिंग स्किल्स के दम पर चला सकती हैं. इसके साथ ही उन्होंने स्पष्ट तौर पर लिखा कि वे उनके भाई नहीं हैं और इसलिए वे नहीं चाहते हैं कि लोग आलिया पर लिखे गए पोस्ट्स में उन्हें टैग करें. उन्होंने यूजर्स से कहा है कि बिना किसी बात को वेरिफाई किए कोई काम नहीं करना चाहिए.

गौरतलब है कि सेलेब्रिटी ट्रेनर राहुल भट्ट महेश भट्ट और किरन भट्ट के बेटे हैं, जबकि आलिया महेश और सोनी राजदान की बेटी हैं.

# Ajay Devgn की फिल्म 'मैदान' का इंतजार कर रहे फैंस के लिए आई बुरी खबर

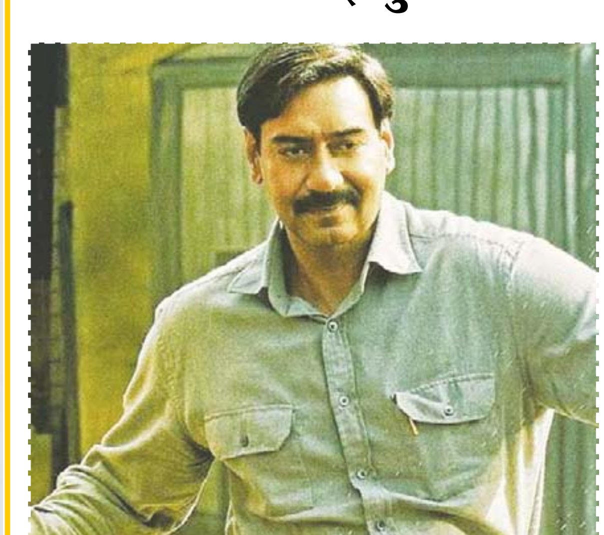

अजय देवगन (Ajay Devgn) की फिल्म 'मैदान' का बेसब्री से इंतजार कर रहे उनके फैंस के लिए बुरी खबर है. 'मैदान' इस साल रिलीज होने वाली थी लेकिन कोरोना संकट को देखते हुए अब ये फिल्म अगले साल रिलीज होगी. आपको बता दें मेकर्स नहीं चाहते कि 'मैदान' को OTT प्लेटफॉर्म पर रिलीज किया जाए, बस यही वजह है कि इस फिल्म की रिलीज डेट को अगले साल तक के लिए टाल दिया गया है. अजय देवगन ने 'मैदान' के एक पोस्टर के साथ फिल्म की रिलीज डेट का ऐलान किया है.

बता दें अजय देवगन की फिल्म मैदान अगले साल यानी 2021 स्वतंत्रता दिवस के मौके पर सिनेमाघरों में रिलीज होगी. अजय देवगन के फैंस के लिए ये भी किसी खुशी से कम नहीं है कि उनकी फिल्म को वो बड़े पर्दे पर देख सकेंगे. आज सुबह ही खबर आई थी कि अजय देवगन गलवान घाटी में भारत और चीन के बीच हुई झड़प में शहीद हुए 20 जवानों को आधार बनाकर एक फिल्म का निर्माण करने जा रहे हैं. इस फिल्म में अजय देवगन नजर आएंगे या नहीं इस बात की जानकारी फिलहाल आनी बाकी है. फिलहाल खबर ये आ गई है कि 13 अगस्त 2021 को उनकी फिल्म 'मैदान' रिलीज होने जा रही है.

अमित शर्मा के निर्देशन में बन रही फिल्म 'मैदान' मशहूर फुलबॉल कोच सैयद अब्दुल रहीम की बायोपिक है. अजय देवगन इस फिल्म में उनकी भूमिका में नजर आएंगे.ये फिल्म हिंदी के अलावा, तमिल तेगुलू और मल्यालम भाषा में रिलीज होगी.

आपको बता दें कोविड 19 के मामले घटने के बजाय बढ़ते जा रहे हैं. उम्मीद थी कि अगर मामले कम होने लगते तो सरकार सिनेमाघरों को खोलने का ऐलान करती, लेकिन अभी दूर-दूर तक ऐसी कोई उम्मीद नजर नहीं आ रही है.

ऐसे में फिल्म मेकर्स अपनी बनी बनाई फिल्मों को नुकसान ना पहुंचाते हुए उन्हें ओटीटी प्लेटफॉर्म पर रिलीज कर रहे हैं. 'लक्ष्मी बम', 'सड़क 2', 'शकुंतला देवी', 'दिल बेचारा' जैसी फिल्में जल्द ही डिजिटल प्लेटफॉर्म पर रिलीज होंगी. हालांकि कुछ मेकर्स अपनी फिल्म को सिनेमाघरों में ही रिलीज करने पर अड़े हुए हैं.

# ट्विटर पर जमकर ट्रोल हो रहे Sooraj Pancholi, सुशांत के फैंस कर रहे ऐसा दावा

**अब सुशांत सिंह राजपूत के फैंस ट्विटर पर सूरज पंचोली को जमकर ट्रोल कर रहे हैं.**

बॉलीवुड एक्टर सुशांत सिंह राजपूत (Sushant Singh Rajput) ने पिछले महीने 14 जून को मुंबई में स्थित अपने घर में फांसी लगाकर जान दे दी थी. सुशांत के निधन से आज हर कोई सदमे में है. सुशांत के निधन के 20 दिन बाद भी उनके चाहने वालों को यह यकीन नहीं हो पा रहा कि अब वह हमारे बीच नहीं रहे. उन्होंने ऐसा क्यों किया, अब तक इस बात का खुलासा नहीं हो पाया है, लेकिन खबरों की मानें तो वह पिछले 6 महीने से डिप्रेशन में थे. मुंबई पुलिस अब तक इस मामले की जांच में जुटी हुई है.

दरअसल, सुशांत सिंह राजपूत के सुसाइड मामले में हर दिन नई चीजें निकल कर सामने आ रही हैं. उनके फैंस सोशल मीडिया पर लगातार सुशांत की सुसाइड मामले में सीबीआई जांच की मांग रहे हैं. कई फैंस अभी भी यह दावा करने में लगे हुए हैं कि सुशांत ने आत्महत्या नहीं की है, बल्कि उनका मर्डर हुआ है. इसी बीच अब सुशांत सिंह राजपूत के फैंस ट्विटर पर सूरज पंचोली को जमकर ट्रोल कर रहे हैं.ट्विटर पर लोग यह दावा कर रहे हैं कि सूरज पंचोली का सुशांत की पूर्व मैनेजर दिशा सालियन के साथ सीक्रेट रिलेशनशिप था. यही नहीं लोगों का यह भी कहना है कि दिशा प्रेग्नेंट थीं और सूरज उन्हें बार-बार एबॉर्शन के लिए फोर्स कर रहे थे. दिशा ने बच्चा गिराने से इनकार कर दिया था और ये सारी बातें सुशांत को बताई थीं और सुशांत उनकी मदद करना चाहते थे, लेकिन बाद में उन्होंने भी खुदकुशी कर ली. हालांकि इन सारी बातों का कोई सबूत नहीं है. बस लोग ट्वीट पर ट्वीट करते जा रहे हैं.

वहीं, हमारी सहयोगी वेबसाइट Bollywoodlife.com में प्रकाशित एक खबर के अनुसार सूरज पंचोली ने एक मीडिया से बातचीत में कहा है कि वह तो दिशा सालियन को जानते तक नहीं थे और जब उनकी मौत हुई थी, तब उनके बारे में पता चला. ये सारी बातें बिलकुल गलत है. कुछ लोगों ने एक फिल्म की कहानी लिखी है. यह थियोरी एक फिल्मी कहानी लगती है.

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

## हुंदै मोटर्स के ऑनलाइन कार बिक्री पोर्टल पर आए 15 लाख से अधिक संभावित ग्राहक

**नई दिल्ली।** हुंदै मोटर इंडिया लिमिटेड के ऑनलाइन बिक्री मंच पर अब तक 15 लाख से अधिक संभावित ग्राहक आए हैं। मार्च में पेश किए जाने के बाद से अब तक इस मंच पर 20,000 से ज्यादा लोगों ने कारों के बारे में पूछताछ भी की है। कंपनी ने सोमवार को एक बयान में कहा कि उसके 'क्लिक टू बाय मंच को मार्च से अब 15 लाख से अधिक लोगों ने देखा है। कंपनी के इस मंच से उसके 600 डीलरशिप जुड़े हैं। इस मंच पर ग्राहक कार खरीदने का पूरा अनुभव ऑनलाइन उठा सकते हैं। कंपनी के प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी एस. एस. किम ने कहा कि इस मंच पर 20,000 से अधिक पंजीकरण हुए हैं और 1,900 से बुकिंग हुई हैं।

## भारतीय रेलवे नया इतिहास रचने को तैयार, अब सौर ऊर्जा से चलेंगी ट्रेनें, इस राज्य में सोलर संयंत्र बनकर तैयार

**नई दिल्ली ।** सौर ऊर्जा से कई रेलवे स्टेशनों की बिजली की जरुरत सफलतापूर्वक पूरी करने के बाद रेलवे जल्द ही इसका इस्तेमाल ट्रेन चलाने के लिए करेगा। मध्य प्रदेश के बीना में रेलवे ने अपनी खाली पड़ी जमीन पर 1.7 मेगावाट का सौर ऊर्जा संयंत्र लगाने का काम पूरा कर लिया है। इसे 25 केवी के ओवरहेड लाइन से जोड़कर इससे ट्रेन चलाने की योजना है। पहली बार देश में सौर ऊर्जा के इस्तेमाल से ट्रेनें चलाई जाएंगी।रेलवे के अधिकारियों ने बताया कि भारत हैवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड (भेल) और भारतीय रेलवे द्वारा संयुक्त रूप से लगाये गये इस संयंत्र के परीक्षण का काम शुरू हो गया है और 15 दिन में बिजली उत्पादन शुरु हो जायेगा। रेलवे ने वर्ष 2030 तक शुद्ध रूप से कार्बन निरपेक्ष इकाई बनने का लक्ष्य रखा है। स प्रयास में एक तरफ उसे कार्बन उत्सर्जन कम करना है तो दूसरी तरफ पेड़ लगाकर कार्बन सिंक तैयार करना है। उसने ऊर्जा के स्रोत के रूप में सौर ऊर्जा के अधिक से अधिक इस्तेमाल का लक्ष्य रखा है। रेलवे की खाली पड़ी जमीनों, प्लेटफार्मो पर बने शेड और इमारतों पर सौर ऊर्जा संयंत्र लगाकर वह ऊर्जा के मामले में आत्मनिर्भर होने का भी प्रयास कर रहा है। विभिन्न स्टेशनों और रेलवे की इमारतों की छतों पर अब तक करीब सौ मेगावाट सौर ऊर्जा क्षमता स्थापित की जा चुकी है। रायबरेली स्थित मॉर्डन कोच फैक्ट्री में तीन मेगावाट क्षमता का सौर संयंत्र चालू हो चुका है। बीना स्थित संयंत्र में डीसी धारा को एक फेज वाली एसी धारा में बदलने के लिए विशेष तकनीक का इस्तेमाल किया गया है।

## चीन को एक और झटका, ट्रेडस ने की हुवावे, ZTE को 5जी नेटवर्क से बाहर रखने की मांग

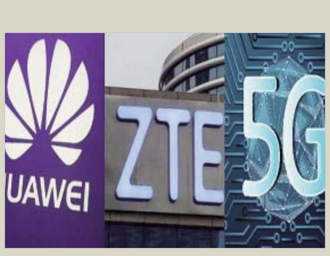


**नई दिल्ली।** चीन के सामान का बहिष्कार करने के तहत कॉन्फेडरेशन ऑफ आल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) ने रविवार को केंद्र सरकार से 5जी नेटवर्क लागू करने की प्रक्रिया से चीनी कंपनियों हुवावेई और जेडईटी कॉरपोरेशन को पूरी तरह बाहर रखने की मांग की है। केंद्रीय सूचना एवं प्रौद्योगिकी मंत्री रविशंकर प्रसाद को भेजे एक पत्र में कैट ने कहा कि भारत की संप्रभुता और लोगों के व्यक्तिगत डाटा की सुरक्षा को देखते हुए इन दोनों कंपनियों को 5जी नेटवर्क से बाहर रखा जाए। कैट ने पत्र में कहा कि सरकार ने जिस तरह हाल में 59 ऐप को प्रतिबंधित किया, उसी नीति का पालन करते हुए हुवावेई और जेडईटी कॉरपोरेशन को 5जी प्रक्रिया में शामिल होने से रोकना चाहिए।

# पेटीएम, विजय शेखर शर्मा लेंगे रहेजा आरक्यूबीई जनरल इंश्योरेंस में 51 प्रतिशत हिस्सेदारी

**नई दिल्ली (एजेंसी)।**

वन 97 कम्युनिकेशंस लिमिटेड के स्वामित्व वाली पेटीएम, इसके संस्थापक विजय शेखर शर्मा मिलकर मुंबई स्थित निजी क्षेत्र की कंपनी रहेजा क्यूबीई जनरल इंश्योरेंस का अधिग्रहण करेंगे। कंपनी के बयान में यह जानकारी दी गई है। वक्तव्य में कहा गया है, ''रहेजा क्यूबीई की 51 प्रतिशत हिस्सेदारी प्रिज्म जॉनसन के पास जबकि 49 हिस्सेदारी क्यूबीई आस्ट्रेलिया के पास है। पेटीएम दोनों की हिस्सेदारी खरीदने की तैयारी में है और कंपनी की पूरी 100 प्रतिशत हिस्सेदारी का अधिग्रहण करेगी। कंपनी ने हालांकि, इस सौदे की वित्तीय जानकारी का खुलासा नहीं किया है। इस अधिग्रहण सौदे को भारतीय बीमा नियामक एवं विकास प्राधिकरण (आईआरडीए) की मंजूरी के अलावा और भी अन्य मंजूरियां लेनी होंगी। बहरहाल, प्रिज्म जॉनसन लिमिटेड जिसे पहले प्रिज्म सीमेंट लिमिटेड के नाम से जाना जाता था, ने एक अलग बयान जारी कर कहा है कि उसके निदेशक मंडल ने अपने जनरल इंश्योरेंस संयुक्त उद्यम, रहेजा क्यूबीई जनरल इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड (आरक्यूबीई) में अपनी पूरी 51 प्रतिशत हिस्सेदारी पेटीएम और विजय शेखर शर्मा को 290 करोड़ रुपए में बेचने को मंजूरी दी है।

करोड़ रुपए में बेचने को मंजूरी दी है। प्रिज्म जॉनसन ने नियामकीय सूचना में कहा है कि उसके निदेशक मंडल ने आरक्यूबीई में 51 प्रतिशत चुकता पूंजी क्यूओआरक्यूएल प्राइवेट लिमिटेड को 289.68 करोड़ रुपए में बेचने को मंजूरी दी है। क्यूओआरक्यूएल प्रा. लि. एक प्रौद्योगिकी कंपनी है जिसकी बहुलांश हिस्सेदारी विजय शेखर शर्मा और शेष पेटीएम के पास है। रहेजा क्यूबीई ने 2009 में काम शुरू किया था। यह प्रिज्म जॉनसन लिमिटेड और क्यूबीई इंश्योरेंस समूह के बीच संयुकत उद्यम है। क्यूबीई इंश्योरेंस आस्ट्रेलिया का सबसे बड़ा बीमा समूह है।

## चीन में प्लेग के मामले सामने आने पर बोले आनंद महिंद्रा, अब ऐसी खबरें सहन नहीं हो पा रही

**बिजनेस डेस्क।** देशभर में कोरोना संक्रमण के मामले लगातार बढ़ रहे हैं। अभी तक कोविड-19 की ना तो कोई वैक्सीन तैयार हो पाई है और ना ही कोई कारगर इलाज ढूंढा जा सका है। इस चीन चीन से एक और डराने वाली खबर सामने आई है। उत्तरी चीन के एक शहर में रविवार को प्लेग के दो मामले सामने आए। इसके वहां बाद हाई अलर्ट जारी कर दिया गया है। इस पर भारतीय उद्योगपति और महिंद्रा ग्रुप के चेयरमैन आनंद महिंद्रा ने कहा कि अब मानवजाति पर रहम होना चाहिए। उन्होंने कहा कि अब ऐसी खबरें सहन नहीं हो पा रही हैं। मैं ऐसे मामलों को अब और बर्दाश्त नहीं कर सकता हूं। चीनी मीडिया के मुताबिक, अभी बूबोनिक प्लेग दो मामले सामने आए हैं। दरअसल, ये बीमारी इंसान से इंसान में फैलने में सक्षम है। इसलिए कई और मामले सामने आने की आशंका है। इसके चलते शहर में हाई अलर्ट जारी कर दिया गया है। चीन की सरकारी मीडिया पीपुल्स डेली ऑनलाइन के अनुसार, आंतरिक मंगोलियाई स्वायत्त क्षेत्र बयन्नुर ने प्लेग की रोकथाम और नियंत्रण के लिए तीसरे स्तर की चेतावनी जारी की है।

## उपराष्ट्रपति वेंकैया नायडू ने लॉन्च किया पहली स्वदेशी सोशल मीडिया सुपर ऐप

**बेंगलुरू ।** उपराष्ट्रपति एम. वेंकैया नायडू ने पहली स्वदेशी सोशल मीडिया सुपर ऐप को ऑनलाइन लॉन्च किया। ऐप की लॉन्चिंग को 147 देशों के 24 लाख 80 हजार से अधिक लोगों के लिए लाइव स्ट्रीम किया गया था, जिन्होंने इस कार्यक्रम में भाग लिया। एक स्पष्ट और व्यावहारिक प्रस्तुति में ऐप के डेवलपर्स ने एलीमेंट्स की प्रमुख विशेषताओं पर प्रकाश डाला। इस महत्वपूर्ण अवसर पर विभिन्न क्षेत्रों की उल्लेखनीय हस्तियों ने दूर से ही भाग लिया और माना कि यह ऐप सोशल मीडिया स्पेस में भारत की अगली बड़ी हलचल ला सकता है। ऐप का ऑनलाइन उद्घाटन करते हुए, उपराष्ट्रपति वेंकैया नायडू ने कहा, मैं उस युवा टीम को बधाई देता हूं जिसने यह ऐप बनाया है। भारत के युवाओं में ऐसी भावना है कि वे असंभव के बारे में सोच सकते हैं और इसे संभव कर सकते हैं। अपने आप में प्रौद्योगिकी अच्छी या बुरी नहीं है किन्तु हमें इसका विवेकपूर्ण उपयोग करना चाहिए। मनुष्यता के बिना प्रौद्योगिकी एक आपदा है। बेहतर संचार को सक्षम करने, करुणाशील समाज और एक बेहतर दुनिया का मार्ग प्रशस्त करने के लिए मानवतावाद और मनुष्यता प्रौद्योगिकी का एक अनिवार्य हिस्सा होना चाहिए। सोशल मीडिया पर 500 मिलियन भारतीय उपयोगकर्ताओं के लिए पूरी तरह से देश में विकसित विकल्प प्रदान करने के लिए ।

## चीन को सबक सीखाने के लिए भारतीय उद्योगपतियों ने कसी कमर, जिंदल ग्रुप ने किया बड़ा ऐलान

**नई दिल्ली (एजेंसी)।**

जेएसडब्ल्यू समूह के मालिक सज्जन जिंदल ने सोमवार को चीन से आयात बंद करने के लिए उद्योगपतियों के बीच एकजुटता का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि ऐसे समय जब वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर चीनी हमारे सैनिकों को मार रहे हैं दोनों देशों के बीच व्यापार पहले की तरह जारी नहीं रह सकता है। इससे पहले जिंदल के बेटे पार्थ जिंदल ने भी कहा था कि उनका समूह अगले दो साल के दौरान चीन से 40 करोड़ डॉलर का आयात बंद करेगा। पार्थ जिंदल 14 अरब डॉलर के जेएसडब्ल्यू समूह के सीमेंट कारोबार को देखते हैं। गलवान घाटी में हाल ही में भारतीय और चीनी सैनिकों के बीच हुए संघर्ष के बारे में उन्होंने कहा कि चीन द्वारा भारतीय भूमि पर जो कुछ किया गया उसकी वजह से यह कार्रवाई हुई। सज्जन जिंदल ने एक वक्तव्य में कहा, ''हमारे सैनिक एलएसी पर उनके द्वारा मारे जाते रहें और हम अपने

उद्योगों के लिए चीन से सस्ता कच्चा माल खरीदकर कमाई करते रहें यह नहीं हो सकता है। उन्होंने कहा कि उनके कई दोस्त और सहयोगी उद्योगपति इस बात को लेकर परेशान है कि बड़ा मार्जिन कमाने और कारोबार में निरंतरता बनाए रखने के लिए चीन के साथ उनका व्यापार महत्वपूर्ण है लेकिन यह स्थिति तब आई है जब हमने अपने घरेलू आपूर्तिकर्ताओं को विकसित करने के बजाय आंख मूंदकर चीन के सस्ते आयात को स्वीकार करते रहे। जब हमने अपने घरेलू आपूर्तिकर्ताओं को विकसित करने के बजाय आंख मूंदकर चीन के सस्ते आयात को स्वीकार करते रहे। देश के इस प्रमुख उद्योगपति ने कहा कि यह हम सभी के लिये एक मौका है कि हम एकसाथ आयें और मजबूत आत्म निर्भर भारत के लिये काम करेंगे।

''गुणवत्ता और आकार हासिल करने के लिए आओ हम घरेलू उत्पादकों का समिार्न करें। हमें अपने खुद के उत्पादों के प्रति विश्वास दिखाना होगा। हमें अपनी सशस्त्र सेनाओं और सरकार को समर्थन देना होगा और यह साबित करना होगा कि चीन के खिलाफ लड़ाई में हम उनके साथ खड़े हैं।

## हवाई यात्रियों की संख्या 78 हजार के पार पहुंची

**नई दिल्ली।** घरेलू हवाई यात्रियों की संख्या लॉकडाउन के बाद पहली बार रविवार को 78 हजार के पार पहुंच गई। नागरिक उड्डयन मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने आज बताया कि 05 जुलाई को विभिन्न हवाई अड्डों से 817 उड़ानें रवाना हुईं जिनमें 78,614 यात्रियों ने उड़ान भरी। कोविड-19 महामारी के मद्देनजर दो महीने तक विमान सेवा स्थगित रहने के बाद पहली बार यात्रियों की संख्या 78 हजार के पार पहुंची है। साथ ही उड़ानों की संख्या भी दूसरी बार आठ सौ के पार रही है। पुरी ने एक ट्वीट में लिखा ''हवाई यात्रियों की संख्या 78 हजार के पार पहुंच गई है। हमारा घरेलू परिचालन मजबूती और स्थिरता के साथ बढ़ रहा है। कोविड-19 के कारण 25 मार्च से देश में नियमित यात्री विमान सेवा पूरी तरह बंद कर दी गई थी। दो महीने बाद 25 मई से घरेलू सेवाएं दुबारा शुरू की गई हैं जबकि अंतरराष्ट्रीय मार्गों पर नियमित यात्री उड़ानें अब भी बंद हैं। अभी अभी सीमित संख्या में घरेलू उड़ानों का परिचालन हो रहा है। अभी सीमित संख्या में घरेलू उड़ानों का परिचालन हो रहा है। मांग आने और महामारी से निपटने की राज्यों की क्षमता बढ़ने के साथ इनकी संख्या बढ़ाने की योजना है।

# सुकन्या समृद्धि योजना खाता खुलवाने के लिए सरकार ने दी बड़ी राहत

**बिजनेस डेस्क (एजेंसी)।**

कोरोना वायरस महामारी के चलते सरकार ने बच्चियों के उज्ज्वल भविष्य के लिए सुकन्या समृद्धि खाता खोलने वालों को बड़ी राहत दी है। सरकार ने सुकन्या समृद्धि खाता खोलने के लिए पात्रता मानदंडों में कुछ छूट की घोषणा की है। पोस्ट ऑफिस के नए दिशानिर्देशों के मुताबिक, सुकन्या समृद्धि खाता 31 जुलाई, 2020 को या उससे पहले उन बेटियों के नाम से खोला जा सकता है, जिनकी उम्र 25 मार्च, 2020 से 30 जून, 2020 तक लॉकडाउन की अवधि के दौरान 10 वर्ष पूरी हो चुकी है। इस छूट से उन बेटियों के पेरेंट्स को मदद मिलेगी जो लॉकडाउन के कारण सुकन्या समृद्धि खाता नहीं खोल सकते थे। अन्यथा, सुकन्या समृद्धि खाते केवल जन्म की तारीख से 10 वर्ष की आयु तक ही खोले जा सकते हैं। सुकन्या समृद्धि योजना में निवेश कर पेरेंट्स अपनी बेटी की उच्च शिक्षा और शादी के खर्चों को आसानी से पूरा कर सकते हैं। इस योजना में बेटी के 21 साल पूरे होने पर रिटर्न पाया जा सकता है। योजना के नियमों के अनुसार, पेरेंट्स अगर बेटी की कम आयु में ही योजना में निवेश करना शुरू कर देते हैं, तो वे 15 सालों तक योजना में निवेश कर सकते हैं।

**अन्य योजना से ज्यादा मिलता है ब्याज**

गरीब या निम्न मध्यम वर्गीय परिवार में बेटी को बोझ नहीं समझे, इसलिए इस योजना की शुरूआत की गई थी। इसलिए इस योजना में अन्य योजनाओं के मुकाबले कुछ ज्यादा ही ब्याज मिलता है। इसकी हर तिमाही में समीक्षा होती है। अभी इस योजना पर 7.6 फीसदी का ब्याज दिया जा रहा है। आप डाकघर में सुकन्या समृद्धि योजना का खाता खुलवा सकते हैं। इसके अलावा आप बैंक में भी इस खाते के बारे में पता कर सकते हैं। अधिकतर बैंकों को सरकार ने यह खोलने के लिए अधिकृत किया हुआ है। सुकन्या समृद्धि योजना के तहत खाता खुलवाने के लिए बालिका की जन्म या उम्र का प्रमाण पत्र, बच्चे के अभिभावक के पते का प्रमाण पत्र या आधार कार्ड। यदि आधार कार्ड नहीं है तो राशन कार्ड, ड्राइविंग लाइसेंस, बिजली बिल, पासपोर्ट आदि को भी मान्य दस्तावेज के रूप में अधिकृत किया गया है। किसी एक अकाउंट में एक वित्तीय वर्ष में आप अधिक से अधिक 1.5 लाख रुपए और कम से कम 250 रुपए तक निवेश कर सकते हैं। सुकन्या समृद्धि योजना में 7.6 फीसदी की दर से इस समय ब्याज मिल रहा है।

सुकन्या समृद्धि योजना में 7.6 फीसदी की दर से इस समय ब्याज मिल रहा है। सुकन्या समृद्धि योजना में 7.6 फीसदी की दर से इस समय ब्याज मिल रहा है। सुकन्या समृद्धि योजना में 7.6 फीसदी की दर से इस समय ब्याज मिल रहा है। खाता खुलवाते समय जो ब्याज दर रहती है, उसी दर से पूरे निवेश काल के दौरान ब्याज मिलता है।

मौजूदा ब्याज दर से अगर हर वित्तीय वर्ष में 1.5 लाख रुपए 15 साल तक जमा किया जाता है तो इस पर आपके द्वारा जमा किया गया कुल रकम 22,50,000 रुपए होगा और इस पर ब्याज 41,36,543 रुपए बनेगा। 21 साल तक यह रकम ब्याज के साथ बढ़कर करीब 64 लाख रुपए हो जाएगा। सुकन्या समृद्धि योजना पर मिलने वाला ब्याज सरकार हर तिमाही में तय करती है। मैच्योरिटी तक ब्याज दर में कई बार बदलाव हो सकते हैं।

## कोरोना से पस्त अर्थव्यवस्था को गांवों से मिलेगी रिकवरी की डोज!

**नई दिल्ली (एजेंसी)।**

मॉनसून पूरे देश में फैल चुका है। मौसम विभाग की मानें तो इस बार जून में सामान्य से 15 प्रतिशत अधिक बारिश हुई। 2013 के बाद इस साल जून में सबसे ज्यादा बारिश हुई है। हिमालयी राज्यों के कुछ इलाकों और पश्चिमी उत्तर प्रदेश को छोड़कर देश के अन्य इलाकों में किसानों के मनमाफिक बारिश हुई है। मौसम विभाग ने इस साल मॉनसून के सामान्य रहने की भविष्यवाणी की है। यह बारिश अपने साथ खासकर ग्रामीण इलाकों में कई उम्मीदें लेकर आई है। कोविड-19 महामारी के कारण देश की अर्थव्यवस्था पस्त हो चुकी है और शहरी इलाकों में विकास का पहिया एक तरह से रुक गया है। ऐसी गहरी निराशा के माहौल में ग्रामीण इलाकों से एक उम्मीद की किरण नजर आ रही है, जो इकोनॉमी को एक डोज देगी। अर्थशास्त्रियों और कॉर्पोरेट दिग्गजों का मानना है कि पस्त हो चुकी अर्थव्यवस्था को अब ग्रामीण इलाकों से ही नई ऊर्जा मिलेगी। मई में घरेलू बाजार में ट्रैक्टर की बिक्री 4 प्रतिशत बढ़ी जो इस बात का संकेत है कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था अर्बन इकोनॉमी से कहीं बेहतर स्थिति में है। नीति निर्माता और उद्योग जगत केवल अच्छे मॉनसून की वजह से ग्रामीण अर्थव्यवस्था को लेकर उम्मीद नहीं जता रहा है। वे इसके लिए 3 प्रमुख कारण मानते हैं। पहला कारण यह कि 25 मार्च से शुरू हुए लॉकडाऊन के बावजूद खेती जारी रही जबकि मैन्यूफैक्चरिंग पर इसका व्यापक असर पड़ा। दूसरा यह कि सरकारी एजैंसियों के मुताबिक इस बार ज्यादा बुआई हुई है। तीसरा कारण यह कि शहरों से अपने गांवों की ओर लौटे मजदूर अब कृषि गतिविधियों में शामिल हैं। आर.पी.जी. ग्रुप के चेयरमैन हर्ष गोयनका को उम्मीद है कि गांवों में मांग बढ़ेगी। उन्होंने कहा कि इस साल बुआई ने नया रिकॉर्ड बनाया है। अगर मॉनसून सामान्य रहा तो फिर खरीफ की बंपर फसल होगी। इससे ग्रामीण इलाकों में मांग बढ़ेगी। उनकी कम्पनी ट्रैक्टर और ट्रेलर टायर बेचती है जिसे रूरल इकोनॉमी का बैरोमीटर कहा जाता है। सिगरेट से लेकर बिस्कुट तक का कारोबार करने वाली आई.टी.सी. ने लॉकडाऊन शुरू होने के बाद हाइजीन और वैलनैस सेगमैंट में 5 नए उत्पाद उतारे हैं। इनमें ग्रामीण उपभोक्ताओं के लिए 50 पैसे का हैंड सैनिटाइजर सैशे भी है। कम्पनी के एग्जीक्यूटिव डायरैक्टर बी.सुमंत कहते हैं, अब ग्रामीण इलाकों में भी ऐसे उत्पादों की जबरदस्त मांग है। हम ग्रामीण को शहरी उपभोक्ताओं से अलग नहीं मानते हैं।

## टीडीएस फॉर्म में हुआ बदलाव, अब बैंकों को 1 करोड़ से अधिक की नकद निकासी पर काटे गए टैक्स की देनी होगी रिपोर्ट

**बिजनेस डेस्क (एजेंसी)।**

आयकर विभाग ने टीडीएस फॉर्म को व्यापक बनाने के लिए इसमें कुछ बदलाव किए हैं। इनमें कर की कटौती नहीं करने के कारणों की जानकारी देने को अनिवार्य बनाना भी शामिल है। बैंकों को नए फॉर्म में एक करोड़ रुपए से अधिक की नकदी निकासी पर 'स्रोत पर की गई कर की कटौती' (टीडीएस) की जानकारी भी देनी होगी। केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) ने एक अधिसूचना के माध्यम से ई-वाणिज्य ऑपरेटरों, म्यूचुअल फंड और कारोबार न्यासों के द्वारा लाभांश वितरण, नकदी निकासी, पेशेवर शुल्क और ब्याज पर टीडीएस लगाने के लिए आयकर नियमों को संशोधित किया है। नांगिया एंड कंपनी एलएलपी के पार्टनर शैलेश कुमार ने कहा कि सरकार ने इस अधिसूचना के साथ फॉर्म 26 क्यू और 27 क्यू के प्रारूप को संशोधित किया है। फॉर्म 26 क्यू का उपयोग भारत में सरकार या कंपनियों द्वारा कर्मचारियों (भारतीय नागरिक) को वेतन के अलावा किये गये किसी भी अन्य भुगतान पर टीडीएस कटौती का तिमाही के आधार पर जानकारी देने में होता है। इसी तरह फॉर्म 27 क्यू का उपयोग अनिवासी भारतीयों को वेतन के अलावा किसी अन्य भुगतान पर टीडीएस कटौती और उसे जमा कराए जाने की जानकारी देने में होता है। कुमार ने कहा कि नए फॉर्म अधिक व्यापक हैं और भुगतान करने वालों को न केवल उन मामलों की सूचना देने की आवश्यकता होगी, जिनमें टीडीएस काटा जाता है, बल्कि जिन मामलों में टीडीएस नहीं काटा गया है, अब उनकी भी सूचना देनी होगी। सरकार ने नकदी में लेन-देन को हतोत्साहित करने के लिए 2019-20 के बजट एक वित्तीय वर्ष में एक बैंक खाते से एक करोड़ रुपए से अधिक की नकद निकासी पर दो प्रतिशत का टीडीएस लगाया था। नांगिया ने कहा कि नया टीडीएस फॉर्म पहले की तुलना में व्यापक है। इसमें जिस रकम पर टीडीएस कटा है, उसके बारे में जानकारी तो देनी ही होगी। लेकिन, इसके अलावा अब टैक्सपेयर्स को वो रकम भी डिसक्लोज करना अनिवार्य होगा, जिसपर किसी वजह से टीडीएस नहीं कटा है। कम दर पर टीडीएस कटने या टीडीएस बिल्कुल ने कटने की विभिन्न स्थिति के लिए अलग-अलग कोड उपलब्ध कराया गया है। नियम 31 में संशोधन के बाद यह अनिवार्य हो गया है।

# घर में रखा है इतनी मात्रा से ज्यादा सोना तो इनकम टैक्स डिपार्टमेंट कर सकता है जब्त

**बिजनेस डेस्क (एजेंसी)।**

भारत में सोने में निवेश को सुरक्षित विकल्प माना जाता है। पिछले कुछ सालों में सोने की कीमतों में हुए तेज इजाफे के कारण इसे शानदार मुनाफा देने वाले विकल्प के तौर पर देखा जाता है। वहीं, काफी लोग इसे शौक के तौर पर आभूषणों के तौर पर घर में भी रखते हैं। हालांकि, लॉकडाउन के कारण सोने की खरीद-फरोख्त में काफी कमी दर्ज की गई है। इससे देश के चालू खाता घाटे (ष्टष्ठ) में भी कमी आई है। देश में लोग आभूषण, बिस्कुट या दूसरे फॉर्म में सोने की खरीदारी करते हैं। ऐसे में ये जानना बहुत जरूरी है कि आप कितनी मात्रा में सोना घर में रख सकते हैं। देश में काफी लोग ऐसे हैं जो सोने से बने आभूषणों को घर में ही रखते हैं लेकिन इनकम टैक्स रूल्स के मुताबिक घर पर एक तय मात्रा में ही सोना रखा जा सकता है। इनकम टैक्स नियमों के मुताबिक, अगर आप गोल्ड की खरीदारी का वैलिड सोर्स और प्रूफ दिखा देता है तो कितनी मात्रा में भी सोना घर में रख सकता है। वहीं, बिना वैलिड सोर्स घर में तय मात्रा में ही सोना रखा जा सकता है। बिना अपना इनकम सोर्स बताए घर में सोना रखने की भी तय सीमा है। अगर किसी के घर में 500 ग्राम तक सोना है, तो वह आयकर के दायरे में नहीं आएगा। इस पर आय का स्रोत बताने की भी जरूरत नहीं पड़ेगी। यानी, आयकर कानून के तहत कोई भी व्यक्ति अपने घर में 500 ग्राम तक सोना बिना किसी आय प्रमाण के रख सकता है । तीनों कैटेगरी में बिना प्रूफ के तय सीमा से ज्यादा मात्रा सोना घर में पाए जाने पर आयकर विभाग स्वर्ण आभूषण जब्त कर सकता है। आसान शब्दों में समझें तो अलग-अलग कैटेगरी के लोग तय मात्रा से ज्यादा सोना घर में रखते हैं तो उन्हें अपना इनकम प्रूफ देना होगा। साथ ही सोना की खरीदारी या गिफ्ट में मिलने का सबूत देना होगा।

केंद्रीय प्रत्यक्ष कर विभाग के मुताबिक, अगर किसी व्यक्ति के पास विरासत में मिले गोल्ड समेत उसके पास उपलब्ध सोने का वैलिड सोर्स है और वह इसका प्रमाण दे सकता है तो वह कितने भी स्वर्ण आभूषण रख सकता है। वैलिड इनकम सोर्स के अलावा तय मात्रा से ज्यादा सोने को जब्त किया जा सकता है।

## महंगे डेटा और कॉल के लिए रहें तैयार, डेढ़ साल के अंदर लग सकता है झटका

**बिजनेस डेस्क (एजेंसी)।**

दूरसंचार क्षेत्र की मौजूदा संरचना लाभप्रद नहीं होने के कारण अगले एक से डेढ़ साल में फोन कॉल व इंटरनेट समेत सभी सेवाओं की दरों को दो बार बढ़ाया जा सकता है। ईवाय ने यह अनुमान व्यक्त किया है। ईवाय के लीडर (उभरते बाजारों की प्रौद्योगिकी, मीडिया एवं मनोरंजन और दूरसंचार) प्रशांत सिंघल ने कहा कि दरों में तत्काल वृद्धि अभी के हिसाब से उचित नहीं लग रहा है। यह अगले 12 से 18 महीने में दो दौर में किया जा सकता है तथा पहली वृद्धि अगले छह महीने में की जा सकती है। उन्होंने कहा, ''दरों में वृद्धि अपरिहार्य है। उपभोक्ताओं के लिए दूरसंचार खर्च ठीक-ठाक कम है और अगले छह महीने में दरों में वृद्धि की जा सकती है। मैं यह नहीं कह रहा कि यह होगा ही लेकिन जितना जल्दी हो उतना बेहतर।'' उन्होंने कहा, ''कंपनियों को आर्थिक स्थिति तथा किफायत के बारे में भी सोचना होगा लेकिन बाजार में टिके रहना सुनिश्चित करने के लिए 12 से 18 महीने में

दो बार में दरें बढ़ाई जा सकती हैं और पहली वृद्धि अगले छह महीने में भी हो सकती है।'' सिंघल ने कहा कि यह नियामकीय हस्तक्षेप के माध्यम से होता है या दूरसंचार उद्योग खुद ही यह करती है, यह देखना होगा लेकिन यह स्पष्ट है कि दूरसंचार कंपनियों की वित्तीय स्थिति शुल्क वृद्धि को अपरिहार्य बना रही है।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

# सावन मास में करें शिव आराधना, इन नियमों का रखें ख्याल..

सावन मास में चारों ओर वर्षा होती रहती है। जल की बहुतायत होने की वजह से यह मास शिव का भी प्रिय मास है। इस मास में शिव का जलाभिषेक करने से वो शीघ्र प्रसन्न होते हैं अपने भक्तों को मनचाहा वरदान देते हैं। शिवालयों में इस दौरान शिव भक्तों का काफी जमावड़ा लगा रहता है, लेकिन इस बार लॉकडाउन के चलते श्रद्धालु घर पर ही शिवपूजा करेंगे। सावन मास के सोमवार का काफी महत्व है और इसका विधि-विधान से पूजन किया जाता है।
सावन सोमवार के व्रत की पूजा संध्या के वक्त की जाती है। इसके लिए सूर्योदय के पूर्व उठकर व्रत का संकल्प लें। शिवलिंग का जलाभिषेक कर अबीर, गुलाल, चंदन, बेलपत्र आदि से श्रृंगार करें। भांग, धतूरा, श्वेत मिठाई, ऋतुफल, बेलफल चढ़ाए। दीप, धूप लगाएं और आरती करें।

## सावन सोमवार के नियम

सावन सोमवार के दिन ब्रह्मचर्य का पालन करें। अनैतिक कार्यों से बचें और बुरे विचारों को मन में न लाए। वृद्धों, असहायों की मदद करे और उनका सम्मान करें। सावन मास में बैंगन का सेवन न करें। तामसिक आहार जैसे मांस, मदिरा आदि का त्याग करें। इस महीनें में पौधारोपण करें, लेकिन हरे पेड़ों को काटने से बचें।

## स्कंद पुराण में सावन के नियम

स्कंदपुराण के अनुसार शिवभक्त को सावन मास में एक समय व्रत करना चाहिए। इसका मतलब यह है कि एक समय सात्विक आहार ग्रहण करना चाहिए। स्नान के जल में बिल्वपत्र या आंवला डालकर स्नान करना चाहिए। ऐसा करने से जाने-अनजाने में हुए समस्त पाप नष्ट हो जाते हैं। सावन मास में जल में भगवान श्रीहरी का वास होता है। इसलिए इस महीने तीर्थ के जल में स्नान का काफी महत्व बतलाया गया है। असहायों, गरीबों और साधु-संतों को वस्त्रों का दान करना चाहिए। चांदी के पात्र में दूध, दही या पंचामृत का दान करना चाहिए। तांबे के बर्तन में अन्न, फल या भोजन सामग्री को रखकर दान करना चाहिए।

# इस बार सावन महीने में हैं 5 सोमवार, जानें-कब मनाएं जाएंगे प्रमुख व्रत त्योहार

## कब है सोमवार व्रत

-पहला सावन सोमवार व्रत 06 जुलाई 2020 को है
-दूसरा सावन सोमवार व्रत 13 जुलाई 2020 को है
-तीसरा सावन सोमवार व्रत 20 जुलाई 2020 को है
-चौथा सावन सोमवार व्रत 27 जुलाई 2020 को है
-पांचवां और अंतिम सावन सोमवार व्रत 03 अगस्त 2020 को है

## सावन प्रवेश की तिथि

हिंदी पंचाग के अनुसार, सावन महीने की शुरूआत 5 जुलाई 2020 प्रातःकाल 10 बजकर 15 मिनट से होगी। जबकि यह तिथि अगले दिन 6 जुलाई को 9 बजकर 25 मिनट पर समाप्त होगी। चूंकि, 5 जुलाई को आषाढ़ पूर्णिमा है। अतः सावन प्रतिपदा सोमवार को माना जाएगा। इसी प्रकार सावन महीने का समापन 3 अगस्त को है। इस दिन रक्षा बंधन का पर्व मनाया जाएगा। इसके अतिरिक्त सावन के महीने में ही मंगला गौरी का व्रत मनाया जाता है। इस प्रकार हर मंगलवार को मंगला गौरी व्रत मनाया जाएगा। इस दिन माता पार्वती पूजा-उपासना करने का विधान है।

## इस महीने कुछ महत्वपूर्ण पर्व त्योहार इस प्रकार है.....

-7 जुलाई को मंगला गौरी व्रत है।
-10 जुलाई को मोनी पंचमी है।
-14 जुलाई को मंगला गौरी व्रत है।
-16 जुलाई को एकादशी है।
-18 जुलाई को प्रदोष व्रत है।
-20 जुलाई को सोमवती अमावस्या है।
-23 जुलाई को हरियाली तीज है।
-25 जुलाई को नागपंचमी है।
-जबकि 3 अगस्त को रक्षाबंधन है।

# 6 जुलाई को सावन का पहला सोमवार, जानें भगवान शिव की पूजा विधि, मुहूर्त, मंत्र एवं महत्व

इस वर्ष श्रावण माह का शुभारंभ उत्तराषाढ नक्षत्र, सोमवार तथा वैधृति योग में दिनांक 6 जुलाई से हो रहा है। इस श्रावण का विशेष महत्व इसलिए भी है क्योंकि सावन के प्रथम दिन भी सोमवार है और अन्तिम दिन रक्षा-बन्धन वाले दिन भी सोमवार है। इस प्रकार इस वर्ष सावन में पांच सोमवार का अति शुभ योग है।
सावन भगवान शिव का सबसे प्रिय महीना है, अतः सावन भर शिव-पूजा-आराधना से मनोवांछित फल की प्राप्ति होती है। शिव-शाक्त में शिव के साथ शक्ति की पूजा करने से प्राप्त फल के विषय में इस प्रकार उल्लिखित है- ह्लशिवेन सह पूजयते शक्तिःसर्व काम फलप्रदा।ह्व साथ ही सावन में शिव-शक्ति पूजा की फलश्रुति में स्पष्ट उल्लिखित है-ह्लयम यम चिन्तयते कामम तम तम प्रापनोति निश्चितम।। परम ऐश्वर्यम अतुलम प्राप्यससे भूतले पुमान ।।ह्व अर्थात इस भूतल पर समस्त प्रकार के रोग-व्याधि, पीड़ा एवं अभावों से मुक्ति दिलाने के लिए ही श्रावण माह में भगवान शिव अपने कल्याणकारी रूप में धरती पर अवतरित होते हैं। अतः विधि-विधान के साथ भगवान शिव का पंचोपचार पूजन करना अति फलदायक होगा।

## सावन में भगवान शिव की पूजा विधि

सर्वप्रथम शिव जी को पंचामृत स्नान कराकर गंगा-जल अथवा शुद्ध जल में कुश, दूध, हल्दी एवं अदरक का रस मिलाकर रूद्राभिषेक करने से वर्तमान में व्याप्त वैश्विक महामारी ह्यकोरोनाह्न का अन्त सम्भव है। साथ ही व्यक्ति वर्ष पर्यंत धन-धान्य से पूर्ण रहते हुए निरोग रहेगा।

## इस मंत्र के साथ 12 बेल पत्र अर्पित करें

अभिषेक के बाद अथवा नित्य शिव जी को कम से कम 12 बेल पत्र चढ़ाएं। सभी बेलपत्र पर देशी घी से ह्लराम-रामह्व लिख कर ॐ नमः शिवाय शिवाय नमः मन्त्र से एक-एक कर शिव जी को अर्पित करें। बेलपत्र 12 ही नहीं अपितु यथा शक्ति 108 या 1100 भी चढ़ा सकते हैं। बेलपत्र अर्पित करने के बाद ह्लॐ हौम ॐ जूँ सःह्व इस मन्त्र का जाप करने से आयु, आरोग्य और ऐश्वर्य की वृद्धि होती है।

## सावन में पृथ्वी पर निवास करते हैं शिव-शक्ति

शिव-पुराण के अनुसार, सावन मास में शिव शक्ति अर्थात देवी के साथ भू-लोक में निवास करते हैं। अतः शिव के साथ भगवती की भी पूजा करनी चाहिए। श्रावण मास में भगवान शिव की जलहरि या अर्घे में भगवती पार्वती का निवास होता है।

## शिवजी को लगाएं भस्म

शिवजी को भस्म अवश्य लगाना चाहिए। भस्म मौलिक-तत्व का प्रतीक है और वृषभ( बैल) जगत जननी धर्म-प्रतीक शक्ति का प्रतिनिधि है। अपने समस्त कार्य-सिद्ध हेतु शिव के उन सिद्ध मन्त्रों का पाठ करना चाहिए, जिनसे शक्ति दुर्गा की भी स्तुति हो।

क्रांति समय

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

Sports

## विंडीज सीरीज में शानदार कप्तान साबित होंगे बेन स्टोक्सः जॉक क्रॉली

**साउथम्प्टन।** इंग्लैंड के युवा बल्लेबाज जॉक क्रॉली का मानना है कि वेस्टइंडीज के खिलाफ नियमित कप्तान जो रूट की जगह टीम की कमान संभालने वाले बेन स्टोक्स को कोई परेशानी नहीं होगी क्योंकि वह पहले से ही टीम के 'बड़े नेतृत्वकर्ता की तरह है। रूट बुधवार से शुरु हो रही वेस्टइंडीज के खिलाफ टेस्ट श्रृंखला के पहले मैच में नहीं खेलेंगे। वह अपने दूसरे बच्चे के जन्म के समय पत्नी के साथ रहेंगे। एजिस बाउल में खेले जाने वाले इस मैच के लिए इंग्लैंड के विश्व कप के हीरो स्टोक्स को कप्तानी की जिम्मेदारी सौंपी गई है। क्रॉली ने स्काई स्पोर्ट्स से कहा, 'बेन (स्टोक्स) पहले ही टीम में बड़े नेतृत्वकर्ता की तरह है, इसलिए उन्हें पहले टेस्ट में कप्तानी करने में कोई समस्या नहीं आएगी। क्रॉली ने कहा, 'उन्होंने काफी क्रिकेट खेला है और बहुत ही अनुभवी खिलाड़ी हैं इसलिए वह बहुत अच्छा कप्तान बनने जा रहे हैं। पिछले साल नवंबर में हैमिल्टन में न्यूजीलैंड के खिलाफ पदार्पण करने वाले 22 साल के क्रॉली ने पिछले सप्ताह तीन दिवसीय अभ्यास मैच के दोनों पारियों में 43 और 34 रन बनाये थे। चार टेस्ट में 27.33 की औसत रखने वाले इस युवा बल्लेबाज ने इस दौरान जोफ्रा आर्चर और मार्क वुड जैसे गेंदबाजों का सामना किया था।

शतरंज

# मेगनस कार्लसन बने चेसएबल मास्टर्स शतरंज के विजेता

**नॉर्वे (एजेंसी)।**

मेगनस कार्लसन आमंत्रण लीग के तीसरे पड़ाव चेसएबल मास्टर्स टूर्नामेंट का खिताब एक बार फिर विश्व चैम्पियन मेगनस कार्लसन नें अनीश गिरि को बेस्ट ऑफ थ्री के फ़ाइनल मे 2-0 से पराजित करते हुए अपने नाम कर लिया । पहले दिन मेगनस नें 3.5-1.5 से तो दूसरे दिन 2.5-1.5 से जीत दर्ज करते हुए दोनों दिन अपने नाम किए । हालांकि इस दौरान रोमांच अपने चरम पर रहा और कई मौको पर अनीश अच्छी स्थिति मे होने के बाद भी उसे भुनाने मे कामयाब नहीं हो सके । दूसरे दिन की शुरुआत से ही कार्लसन नें पहले मुक़ाबले मे शानदार खेल दिखाया और जीत से दिन की शुरुआत की। सफ़ेद मोहरो से खेलते हुए क्यूजीडी ओपनिंग में कार्लसन नें बेहद सक्रिय मुक़ाबला खेला और मात्र 34 चालों में शानदार जीत दर्ज की । इसके बाद दूसरे मुक़ाबले में कार्लसन नें काले मोहरो से खेलते हुए घोड़े के एंडगेम मे एक आसान ड्रॉ खेला और स्कोर 1.5-0.5 कर लिया । तीसरे मैच में अनीश गिरि शानदार स्थिति में होने के बाद भी ड्रॉ से ज्यादा कुछ हासिल नहीं कर सके और यह कार्लसन के लिए एक हारी और मुश्किल बाजी बचाने जैसा था अब स्कोर 2-1 पर पहुँच चुका था और कार्लसन को खिताब जीतने के लिए सिर्फ आधे अंक की जरूरत थी । आखिरी बाजी तो एकदम अनीश के हाथ आ चुकी थी मतलब अगर वह जीतते तोस्कोर 2-2 हो जाता और उन्हे टाईब्रेक खेलने का मौका मिलता पर उन्होने इस बार अंत में एक भरी चूक की और कार्लसन नें वापसी करते हुए मुक़ाबला ड्रॉ करा लिया ।

स्कोर 2-2 हो जाता और उन्हे टाईब्रेक खेलने का मौका मिलता पर उन्होने इस बार अंत में एक भरी चूक की और कार्लसन नें वापसी करते हुए मुक़ाबला ड्रॉ करा लिया । खेल की 34 वीं चाल में जब अनीश खेलकर जीत की ओर बढ़ सकते थे उन्होने त्त्द्ध5 खेला और कार्लसन नें त्त्द्ग2 खेलकर उनका घोडा मार लिया इसके साथ ही कार्लसन 2.5-1.5 से दूसरा फ़ाइनल भी जीतकर चेसएबल मास्टर के भी सरताज बन गए । कार्लसन को पुरूष्कार के तौर पर 450000 डॉलर दिये गए ।

मास्टर के भी सरताज बन गए । कार्लसन को पुरूष्कार के तौर पर 450000 डॉलर दिये गए । अब से कुछ देर पहले ही हुए अंतिम मुक़ाबले मे जीत के करीब नजर आ रहे अनीश अंतिम मौके पर अपना घोडा मुफ्त मे दे बैठे और जीती बाजी जो उन्हे टाईब्रेक मे ले जाती सिर्फ ड्रॉ कर सके।

# इंग्लैंड का स्टार गेंदबाज हो सकता है पहले टेस्ट से बाहर

**साउथम्पटन (एजेंसी) ।**

कोरोना काल में महत्वपूर्ण क्रिकेट सीरीज मानी जा रही इंग्लैंड बनाम वैस्टइंडीज सीरीज में सीनियर तेज गेंदबाज स्टुअर्ट ब्राड का खेलना संदिग्ध लग रहा है। ब्रॉड को बुधवार से शुरू होने वाले पहले टेस्ट क्रिकेट मैच की अंतिम एकादश में जगह मिलने की संभावना नहीं है। इंग्लैंड का टीम प्रबंधन तेज गेंदबाजी के अगुआ जेम्स एंडरसन के साथ जोफ्रा आर्चर और मार्क वुड को अंतिम एकादश में रखने पर गंभीरता से विचार कर रहा है। इंग्लैंड के मुख्य कोच सिल्वरवुड और कार्यवाहक कप्तान स्टोक्स हालांकि वुड को प्राथमिकता दे सकते हैं जो 90 मील प्रति घंटे की रफ्तार से गेंदबाजी करते हैं। इंग्लैंड को वेस्टइंडीज और पाकिस्तान के खिलाफ लगातार छह टेस्ट मैच खेलने हैं और ऐसे में तेज गेंदबाजों को तरोताजा बनाये रखने के लिये वह रोटेशन की नीति अपना सकता है। 'द गार्डियन' की रिपोर्ट के अनुसार- ब्रॉड को आठ साल में पहली बार घरेलू टेस्ट मैच से बाहर होना पड़ सकता है क्योंकि इंग्लैंड जोफ्रा आर्चर और मार्क वुड की तेज गेंदबाजी की जोड़ी को जल्द से जल्द मौका देने पर गंभीरता से विचार कर रहा है। वुड और आर्चर दोनों चोटों से परेशान थे लेकिन अब वे फिट है। इंग्लैंड के दक्षिण अफ्रीकी दौरे के दौरान चोटिल होने वाले वुड अब खेलने के लिए तैयार है । टीम में डोमिनिक बेस एकमात्र स्पिनर है इसलिए ब्रॉड अंतिम एकादश से बाहर हो सकते हैं। ब्रॉड को आखिरी बार 2012 में वेस्टइंडीज के खिलाफ ही घरेलू टेस्ट में विश्राम दिया गया था। उन्होंने अब तक 485 टेस्ट विकेट लिए हैं और सर्वाधिक विकेट लेने वाले दूसरे गेंदबाज हैं। इंग्लैंड की तरफ से एंडरसन के बाद सर्वाधिक विकेट लेने वाले दूसरे गेंदबाज हैं। बेन स्टोक्स (कप्तान), जेम्स एंडरसन, जोफ्रा आर्चर, डोमिनिक बेस, स्टुअर्ट ब्रॉड, रोरी बर्न्स, जोस बटलर (विकेटकीपर), जॉक क्रॉली, जो डेनली, ओली पोप, डोम सिबली, क्रिस वोक्स, मार्क वुड।

## पाकिस्तान क्रिकेट टीम के 3 खिलाडियों की कोरोना रिपोर्ट आई नेगेटिव, जल्द होंगे इंग्लैंड रवाना

**कराची।** पाकिस्तान के तीन क्रिकेटर हैदर अली, इमरान खान और काशिफ भट्टी के अलावा मालिशिया मलंग अली कोविड-19 परीक्षण में नेगेटिव पाए जाने के बाद आठ जुलाई को इंग्लैंड के लिए रवाना होंगे और अगले महीने शुरू होने वाली तीन मैचों की टेस्ट श्रृंखला से पूर्व टीम से जुड़ेंगे। हैदर, इमरान और काशिफ के अलावा मालिशिये मलंग और मोहम्मद इमरान एक और चार जुलाई को हुए परीक्षण में नेगेटिव पाए गए। पाकिस्तान की टीम इंग्लैंड के खिलाफ मैनचेस्टर में पांच अगस्त से शुरू होने वाली श्रृंखला से पहले अभी वोरसेस्टर में ट्रेनिंग कर रही है। ईएसपीएनक्रिकइंफो ने एक खबर में कहा, 'तीन खिलाड़ी और मलंग लाहौर से आठ जुलाई को रवाना होकर पाकिस्तानी टीम से जुड़ेंगे। तेज गेंदबाज हारिस राऊफ को हालांकि पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड द्वारा कराए गए परीक्षण में एक बार फिर पॉजिटिव पाया गया है। इस तेज गेंदबाज में हालांकि कोई लक्षण नहीं दिख रहा है। पिछले शुक्क्रवार को छह खिलाड़ी दूसरी बार नेगेटिव पाए जाने के बाद इंग्लैंड रवाना हुए थे जिसमें फखर जमां, मोहम्मद हसनैन पिछले शुक्क्रवार को छह खिलाड़ी दूसरी बार नेगेटिव पाए जाने के बाद इंग्लैंड रवाना हुए थे जिसमें फखर जमां, मोहम्मद हसनैन, मोहम्मद हफीज, मोहम्मद रिजवान, शादाब खान और वहाब रियाज शामिल थे। पाकिस्तान की टीम इंग्लैंड में अगस्त में तीन टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों की श्रृंखला भी खेलेगी। पीसीबी ने सीनियर बल्लेबाज शोएब मलिक को जुलाई के अंत में इंग्लैंड में टीम से जुड़ने की इजाजत दे दी है। वह यूएई में अपने परिवार के साथ समय बिताना चाहते थे।

# टी -20 विश्व कप टलना तय, ऑस्ट्रेलियाई टीम को इंग्लैंड श्रृंखला की तैयारी के लिए कहा गया: रिपोर्ट

**मेलबर्न (एजेंसी)।**

आउटडोर अभ्यास शुरू कर चुके ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटरों को इंग्लैंड में होने वाली सीमित ओवरों की श्रृंखला की तैयारी करने को कहा गया है क्योंकि आईसीसी टी20 विश्व कप के इस सप्ताह टलने की संभावना है। स्थानीय मीडिया रिपोर्टों के मुताबिक इस सप्ताह टी20 विश्व कप को आधिकारिक तौर पर निलंबित कर दिया जाएगा। कोविड-19 महामारी के कारण बनी लॉजिस्टिक समस्या को देखते हुए अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) बोर्ड 18 अक्टूबर से 25 नवंबर तक ऑस्ट्रेलिया में होने वाले विश्व कप को टाल सकता है। इससे इंडियन प्रीमियर लीग का आयोजन अक्टूबर-नवंबर में हो सकता है। ऑस्ट्रेलियाई अखबार 'डेली टेलीग्राफ की खबर के मुताबिक, 'क्रिकेट विश्व कप (टी20) का इस सप्ताह आधिकारिक तौर पर स्थगित होना तय है क्योंकि ऑस्ट्रेलिया के खिलाड़ियों को इंग्लैंड के खिलाफ (क्रिकेट की) वापसी की तैयारी शुरू करने के लिए कहा गया है।

रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि अगर क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया आईपीएल में अपने खिलाड़ियों को खेलने की अनुमति देने का फैसला करता है, अनुमति देने का फैसला करता है,

तो, 'आदर्श परिदृश्य यह होगा कि वे इंग्लैंड के खिलाफ सीमित ओवरों की श्रृंखला के बाद सीधे पश्चिम एशिया या एशिया में जहां भी इस टी20 लीग का आयोजन होगा, वहां जा सकते है।

ऑस्ट्रेलियाई टीम अब इंग्लैंड दौरे पर खेली जाने वाली एकदिवसीय और टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला की तैयारी कर रही है।

अब इंग्लैंड दौरे पर खेली जाने वाली एकदिवसीय और टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला की तैयारी कर रही है। अखबार ने कहा, 'सितंबर को ध्यान में रखकर किये जाने वाले अभ्यास से यह बड़ा संकेत मिलता है कि आरोन फिंच की अगुवाई वाली टीम जैविक रूप से सुरक्षित वातावरण में इंग्लैंड का दौरा करेगी। रिपोर्ट के मुताबिक इस दौरे की आधिकारिक पुष्टि होना बाकी है लेकिन तेज गेंदबाज सितंबर में वापसी के मुताबिक अपनी कार्यक्षमता बढ़ा रहे है।

## संक्षिप्त समाचार

### बिसवरंजन सारंगी एफआईएच के एडवांसमैंट पैनल में हुए शामिल, हॉकी इंडिया ने दी बधाई

**नई दिल्ली ।** इंटरनेशनल हॉकी फैडरेशन ने टेक्निकल ऑफिसर के तौर पर काम कर रहे बिसवरंजन सारंगी को अपने एडवांसमैंट पैनल में शामिल कर लिया है। इससे पहले इंटरनेशनल हॉकी फैडरेशन ने अगस्त 2018 में उन्हें टेक्निकल ऑफिशियल के तौर पर प्रमोट किया था। सारंगी ऐसे पहले खिलाड़ी थे जोकि ओड़िसा से उठकर इंटरनेशनल हॉकी फैडरेशन में नियुक्त प्राप्त करने में कामयाब रहे थे। बैंकॉक, थाईलैंड में हुए पुरुष युवा ओलंपिक खेल क्वालिफायर 2018, और इपोह, मलेशिया में हुए 27वें सुल्तान अजलान शाह कप 2018 में उन्होंने तकनीकी अधिकारी के रूप में अच्छा काम किया था। बिसवरंजन सारंगी ने तरक्की मिलने पर कहा- एफआईएच अधिकारियों की समिति द्वारा एडवांसमेंट पैनल में शामिल करने पर मैं बहुत खुश हूं। यह मेरे लिए बड़े स्तर पर हमारे राष्ट्र का प्रतिनिधित्व करने के लिए एक बड़ा सम्मान है। यह मेरे द्वारा प्रदान किए गए एक्सपोजर के लिए आता है।

### रोमानिया सिमोना हालेप ने पालेर्मो ओपन में खेलने की उम्मीद जताई

**बुकारेस्ट।** विश्व की नंबर दो महिला टेनिस खिलाड़ी रोमानिया की सिमोना हालेप ने रविवार को कहा कि वह कोविड-19 महामारी के बाद पहली बार आयोजित किए जा रहे डब्लूटीए इवेंट पालेर्मो ओपन में अगले महीने हिस्सा ले सकती हैं। पिछले वर्ष की विंबलडन विजेता हालेप ने रोमानिया के शहर क्लूज-नापोसा में पत्रकारों से कहा, 'मैंने अभी तक कुछ स्पष्ट निर्णय नहीं लिया है लेकिन उम्मीद है कि पालेर्मो ओपन से दोबारा वापसी करूंगी। उन्होंने कहा, 'टूर्नामेंट के बिना बहुत मुश्किल होती है। मैं उन सबको बहुत मिस करती हूं। मुझे उम्मीद है कि हम जल्द ही बिना किसी डर के यात्रा कर सकेंगे। मेरी जिंदगी बदल गई है। सब कुछ अलग लगता है। लेकिन इस बीच मैंने बहुत यात्राएं नहीं की जो अच्छा ही रहा। मैंने इस दौरान काफी आराम किया और यही मैं चाहती थी। मुझे उम्मीद है कि हम इन सबसे जल्द उबर जाएंगे। 28 वर्षीय हालेप ने 22 फरवरी को दुबई ड्यूटी फ्री टेनिस चैंपियनशप जीतने के बाद से कोई मैच नहीं खेला है। हालेप ने रविवार को क्लूज-नपोसा में एक प्रदर्शनी युगल मैच में अपनी हमवतन होरिया टेकाउ के साथ खेलने को लेकर सहमत हो गयी हैं।डब्लूटीए सत्र की शुरुआत पालेर्मो इवेंट से तीन अगस्त से शुरू होगी। आयोजनकर्ता इसमें विश्व की कुछ बेहतरीन खिलाड़ियों को आमंत्रित करने की उम्मीद जता रहे हैं।

### लिवरपूल ने चैंपियन के रूप में घरेलू मैदान पर पहली जीत दर्ज की

**लंदन।** इंग्लिश प्रीमियर लीग फुटबॉल प्रतियोगिता का खिताब अपने नाम पर पक्का करने के बाद पहली बार अपने घरेलू मैदान एनफील्ड में खेल रहे लिवरपूल ने रविवार को यहां एस्टन विल्ला पर 2-0 से शानदार जीत दर्ज की। लिवरपूल 1990 के बाद पहली बार चैंपियन बना है लेकिन खिताब सुनिश्चित करने के बाद यह उसका अपने घरेलू मैदान पर पहला मैच था। इस जीत से उसने लीग में कुछ रिकार्डों को अपने नाम करने की तरफ भी कदम बढ़ाए। सैडियो माने और कुर्टिस जोन्स के दूसरे हाफ में किये गये गोल से लिवरपूल ने एनफील्ड में लगातार 17वीं जीत दर्ज की। उसे अब प्रीमियर लीग में घरेलू मैदान पर शत प्रतिशत जीत का रिकार्ड बनाने के लिए बर्नले और चेल्सी के खिलाफ जीत हासिल करनी होगी। लिवरपूल के अब पांच मैच बचे हुए हैं लिवरपूल के अब पांच मैच बचे हुए हैं लिवरपूल के अब पांच मैच बचे हुए हैं और इनमें से चार में जीत पर वह मैनचेस्टर सिटी के 2017-18 में एक सत्र में 100 अंक हासिल करने के रिकार्ड को भी पार कर देगा। लिवरपूल के अभी 33 मैचों 89 अंक हैं। प्रीमियर लीग के अन्य मैचों में वेस्ट हैम ने न्यूकास्टल से 2-2 से ड्रॉ खेला जबकि बर्नले और शैफील्ड यूनाईटेड का मैच भी 1-1 से बराबरी पर छूटा।

# द्रविड़ को मिला था टीम इंडिया का मुख्य कोच बनने का ऑफर, इस कारण कर दिया था इंकार

**स्पोर्ट्स डेस्क (एजेंसी)।**

बागडोर कमेटी ऑफ एडमिनिस्ट्रेटर्स (सीओए) के चेयरमैन रह चुके विनोद राय ने खुलासा किया है कि राहुल द्रविड़ को भारतीय टीम के मुख्य कोच बनने का ऑफर दिया गया था लेकिन उन्होंने इस पद के लिए इंकार कर दिया। इसके पीछे का मुख्य कारण पारिवार को समय ना दे पाना था। अनिल कुंबले का साल 2017 में कार्यकाल समाप्त होने के बाद विनोद राय ने द्रविड़ को भारतीय टीम के मुख्य कोच के रूप में सही माना था। लेकिन द्रविड़ ने हमारा साथ नहीं दिया। द्रविड़ उस समय इंडिया ए और अंडर 19 टीम के कोच के रूप में कार्य कर रहे थे। जब द्रविड़ से इस बारे में बात की गई तो उन्होंने अपना पक्ष रखते हुए कहा कि मेरे घर पर दो लड़के बड़े हो रहे हैं और मैं पूरी दुनिया में भारतीय टीम के साथ यात्रा कर रहा हूं और मैं उन पर समय और ध्यान नहीं दे पा रहा हूं, मुझे लगता है कि मुझे घर पर भी रहना चाहिए और मेरे परिवार को समय देना चाहिए। मुझे लगता है कि यह एक बहुत ही उचित अनुरोध था और समय दिमाग में वह सबसे ऊपर रहे होंगे। इसलिए, वह बहुत विचार के क्षेत्र में था। राय ने कहा, द्रविड़ इंडिया ए और अंडर 19 टीमों के साथ काम करना जारी रखना चाहते थे, क्योंकि वह उनके लिए शानदार परिणाम दे रहे थे। द्रविड़ के बाहर होने के बाद और कुंबले का कार्यकाल अचानक समाप्त हो गया, मुख्य कोच का पद अंततः रवि शास्त्री के पास चला गया। हालांकि, राय को लगता है कि अंतिम परिणाम सभी के लिए एक जीत की स्थिति थी, क्योंकि सीओए का मानना था कि तीनों ही भारत के मुख्य कोच के रूप में अच्छे विकल्प होंगे। पिछले साल राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (एनसीए) के प्रमुख बने द्रविड़ के बारे में राय कहा, वह इस भूमिका को स्वीकार करने से खुश थे क्योंकि उनका घर पास में ही है और वे बच्चों की देखभाल कर सकते हैं। राय को लगता है कि अंतिम परिणाम सभी के लिए एक जीत की स्थिति थी, क्योंकि सीओए का मानना था कि तीनों ही भारत के मुख्य कोच के रूप में अच्छे विकल्प होंगे। पिछले साल राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (एनसीए) के प्रमुख बने द्रविड़ के बारे में राय कहा, वह इस भूमिका को स्वीकार करने से खुश थे क्योंकि उनका घर पास में ही है और वे बच्चों की देखभाल कर सकते हैं।

# एमएस धोनी चैम्पियन प्लेयर, 2 विश्व कप जीतना आसान नहीं : वकार युनिस

**नई दिल्ली (एजेंसी) ।**

पाकिस्तान के तेज गेंदबाज वकार युनिस का कहना है कि महेंद्र सिंह धोनी चैम्पियन क्रिकेटर हैं। उन्होंने पूर्व कप्तान सौरव गांगुली की यात्रा को आगे बढ़ाया और भारतीय क्रिकेट टीम के लिए यादगार प्रदर्शन करते हुए महत्वपूर्ण ट्रॉफियां जीतीं। बता दें कि धोनी की कप्तानी में, भारत ने 2007 में टी-20 विश्व कप और 2011 में क्रिकेट विश्व कप जीता था। इसी तरह 2013 में आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी जीतने के साथ ही वह क्रिकेट इतिहास के ऐसे पहले कप्तान हो गए थे जिन्होंने आईसीसी की तीनों प्रमुख ट्रॉफियां जीतीं। वकार बोले- सौरव गांगुली ही थे जिनकी भारतीय क्रिकेट को आगे बढ़ाने की यात्रा को एमएस धोनी और आगे ले गए। वह एक विश्व कप चैंपियन हैं। दो विश्व कप जीत चुके हैं। मुझे लगता है कि उन्होंने अपने देश के लिए, खुद के लिए शानदार प्रदर्शन किया है। बेशक, अपने परिवार के लिए भी । वकार ने कहा- एमएस धोनी क्या क्रिकेटर हैं। जिस तरह से उन्होंने टीम का नेतृत्व किया उसे शब्दों में व्यक्त करना मुश्किल है। वह एक बहुत अच्छे और बड़े नेता हैं जो चीजों को समझते हैं। एक छोटे से गांव से आए धोनी एक अद्भुत इंसान हैं। उन्होंने इतने बड़े देश का नेतृत्व किया है जोकि वास्तव में प्रशंसनीय है। बता दें कि धोनी क्रिकेट विश्व कप 2019 के बाद से ही कोई अंतरराष्ट्रीय मैच नहीं खेले हैं। बीते कुछ सालों से वह धीमी बैटिंग करने के चलते विवादों में आए थे।

## आधुनिक क्रिकेट में विराट कोहली ने सैट किया है फिटनेस का नियमः वकार युनिस

**नई दिल्ली ।** पाकिस्तान के तेज गेंदबाज वकार युनिस का कहना है कि भारतीय कप्तान विराट कोहली ने दुनिया भर के क्रिकेटरों में फिटनेस को लेकर जागरूकता फैलाई है। अब बाकी क्रिकेटर भी उनका अनुसरण कर रहे हैं। अपनी फिटनेस के कारण कोहली खेल के प्रत्येक प्रारूप में फिट बैठता है। विराट कोहली ने टी - 20 क्रिकेट सहित आधुनिक क्रिकेट के सभी प्रारूपों में खुद को फिट किया है। वह टेस्ट मैचों में शानदार है। लेकिन सबसे बड़ा अंतर जो वह क्रिकेट में लाए या जिसकी तमाम दुनिया के क्रिकेटर पालन करते हैं वह है उनकी फिटनेस। उन्होंने खिलाडियों के लिए दुनिया भर में फिटनेस की एक पट्टी स्थापित की है। मुझे लगता है कि उन्हें हराना मुश्किल है। मुझे यह इसलिए भी लगता है क्योंकि आपको विराट कोहली के बारे में सब कुछ पसंद होता है। वह फिट है, वह हमेशा आपके चेहरे के सामने रहता है। वह आपको साबित करना चाहता है कि वह सबसे अच्छा है, वह एक फाइटर है, इसीलिए हम सभी उसे पसंद करते हैं। वकार इस दौरान विश्व कप में पाकिस्तानी टीम को बार-बार भारत से मिलती पराजय पर भी बोले। वकार ने कहा- मैं सिर्फ यही बोल सकता हूं कि मैच को जितने के लिए अच्छी क्रिकेट खेलनी जरूरत होती है।

# टेस्ट टीम की कप्तानी नहीं करना चाहते क्विंटन डिकॉक

**जोहानिसबर्ग (एजेंसी)।**

दक्षिण अफ्रीका के सीमित ओवरों के कप्तान क्विंटन डिकॉक टेस्ट टीम की कप्तानी नहीं चाहते क्योंकि उन्हें लगता है कि पारंपरिक प्रारूप में टीम की अगुआई करने का अतिरिक्त दबाव 'काफी अधिक तनाव वाला होगा। डिकॉक को इस साल जनवरी में फाफ डुप्लेसिस की जगह दक्षिण अफ्रीका की एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय टीम की कप्तान नियुक्त किया गया था लेकिन क्रिकेट निदेशक ग्रीम स्मिथ ने अप्रैल में घोषणा कर दी थी कि उन्हें टेस्ट कप्तानी नहीं सौंपी जाएगी। डिकॉक ने कहा कि इस संबंध में उनकी कोच मार्क बाउचर के साथ भी चर्चा हुई है। उन्होंने कहा, 'मेरी और बाउचर की अनौपचारिक बातचीत हुई और मैंने उनसे कहा कि देखिए, मुझे नहीं पता कि टेस्ट कप्तान बनकर भी मुझे कैसा लगता है। सच्चाई यह है कि मेरे लिए इसका सामना करना आसान नहीं होगा। मुझे यह पता है और मैं इसे महसूस करता हूं। मुझे यह सारा तनाव नहीं चाहिए। डिकॉक ने कहा, 'मुझे अपने कंधों पर यह दबाव नहीं चाहिए। मैं टेस्ट क्रिकेट में ऊपरी क्रम में बल्लेबाजी करना चाहता हूं और इसलिए मुझे अतिरिक्त दबाव नहीं चाहिए। मार्च में कोरोना वायरस के कारण क्रिकेट के निलंबित होने के बाद से डिकॉक ने तीन महीने से अधिक समय से नेट अभ्यास नहीं किया है। इस विकेटकीपर बल्लेबाज ने कहा कि 'गंभीर क्रिकेट शुरू होने पर ही वह नेट अभ्यास करेंगे। क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका (सीएसए) को हालांकि खिलाड़ियों की ट्रेनिंग शुरू करने के लिए देश के खेल मंत्रालय की स्वीकृति मिल गई है। सीएसए के वार्षिक पुरस्कारों में साल के सर्वश्रेष्ठ पुरुष क्रिकेट चुने गए डिकॉक ने कहा, 'मैंने ट्रेनिंग नहीं की है। बेशक मैंने फिटनेस बरकरार रखी है। मैंने जिम में ट्रेनिंग की है लेकिन नेट पर अभ्यास नहीं किया। डिकॉक 18 जुलाई को '3टीक्रिकेट में खेलेंगे जिसके साथ दक्षिण अफ्रीका में कोरोना वायरस के निलंबन के बाद लाइव क्रिकेट की बहाली होगी। सॉलिडेरिटी कप में दक्षिण अफ्रीका के शीर्ष 24 क्रिकेटर तीन टीमों- द ईगल्स, किंगफिशर्स और द काइट्स- में हिस्सा लेंगे। द काइट्स की कप्तानी संभालने वाले डिकॉक 45 सदस्यीय हाई परफोर्मेंस टीम का हिस्सा हैं जिसे पिछले सोमवार को अपनी फ्रेंचाइजियों के मैदान पर ट्रेनिंग के लिए लौटने को कहा गया। कप्तान ने हालांकि कहा कि उन्होंने अब तक ऐसा नहीं किया है। उन्होंने कहा, 'नियमों के कारण इतने बड़ी टीम को एक निश्चित तरह के माहौल में रखना मुश्किल होगा। मैं काफी दूरदराज के इलाके में हूं। जहां मैं रहता हूं वहां काफी क्रिकेट नहीं होता। मैंने सुनिश्चित किया है कि मेरी फिटनेस कायम रहे। मेरे लिए करियर के इस पड़ाव पर ट्रेनिंग से अधिक महत्वपूर्ण ब्रेक है।

# फिर बची नेपाल के ओली की कुर्सी! 2 दिन बाद होगा किस्मत का फैसला

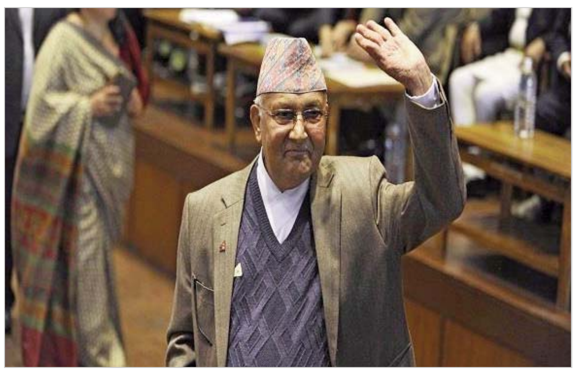

**इंटरनेशनल डेस्क(एजेंसी) ।**

इस्तीफा देने के लिये अपनी ही पार्टी के नेताओं के दबाव का सामना कर रहे नेपाल के प्रधानमंत्री के. पी. शर्मा ओली का भविष्य तय करने के लिये सत्तारूढ़ कम्युनिस्ट पार्टी की स्थायी समिति की महतवपूर्ण बैठक बुधवार तक स्थगित कर दी गई है। आधिकारिक तौर पर इसकी घोषणा की गयी है। प्रधानमंत्री के मीडिया सलाहकार सूर्य थापा ने बताया कि बैठक बुधवार तक के लिये टल गयी है। इस बैठक के स्थगित होने के करणों के बारे में अभी पता नहीं चल पाया है। पहले ही दो बार स्थगित हो चुकी स्थायी समिति की सोमवार को होने वाली बैठक में 68 वर्षीय चुकी स्थायी समिति की सोमवार को होने वाली बैठक में 68 वर्षीय प्रधानमंत्री के राजनीतिक भविष्य के बारे में फैसला होने की उम्मीद थी। शनिवार को भी 45 सदस्यों वाली स्थायी समिति की अहम बैठक को सोमवार तक के लिये टाल दी गयी थी ताकि ओली के काम करने के तौर-तरीकों और भारत विरोधी बयानों को लेकर मतभेदों को दूर करने के लिये शीर्ष नेतृत्व को और वक्त मिल सके।

पूर्व प्रधानमंत्री- पुष्प कमल दहल 'प्रचंड सहित एनसीपी के शीर्ष नेताओं ने प्रधानमंत्री आली के इस्तीफे की मांग करते हुए कहा था कि उनका हाल ही में दिया भारत विरोधी बयान न तो राजनीतिक रूप से सही और न ही कूटनीतिक रूप से उपयुक्त है । स्थायी समिति की बैठक के बाद सोमवार को ओली और प्रचंड के बीच बैठक होने की संभावना थी।

# ऑस्ट्रेलिया में कोरोना संकट, 100 साल में पहली बार देश के दो राज्यों की सीमा हुई सील

**इंटरनेशनल डेस्क (एजेंसी)।**

कोरोना वायरस ने पूरी दुनिया को अपनी चपेट में ले लिया है। इस महामारी के चलते लाखों लोग अपनी जान से हाथ धो बैठे हैं। दुनिया भर में आतंक मचा रहे इस वायरस से ऑस्ट्रेलिया भी बच नहीं पाया है। यहां संक्रमित मामलों की संख्या 8,000 के पार हो गई है, ऐसे में ऑस्ट्रेलिया सरकार ने देश के कुछ हिस्सों में लॉकडाउन को और सख्त करने का फैसला लिया है। हिंदुस्तान टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार ऑस्ट्रेलिया ने अपने दो सबसे ज्यादा जनसंख्या वाले राज्यों की सीमा को सील करने का फैसला किया है। जिन राज्यों की सीमा सील की गई है, उनमें विक्टोरिया और न्यू साउथ वेल्स शामिल हैं। विक्टोरिया राज्य की राजधानी मेलबर्न में कोरोना के मामलों में तेजी आने के बाद सरकार ने पूर्ण लॉकडाउन का ऐलान कर दिया है। इन क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को केवल खाद्य समाग्री की खरीदारी, चिकित्सा सुविधा, काम या पढ़ाई अगर घर से सभंव नहीं हो, जैसे चार कारणों के लिये ही बाहर जाने की अनुमति दी जाएगी। स्वास्थ्य मंत्री ग्रेग हंट ने विक्टोरिया में कोरोना के बढ़ते मामलों पर कहा कि था उन्हें भरोसा है कि घरेलू सीमाएं तभी खोली जाएंगी जब महामारी को स्थानीय स्तर पर फैलने से रोक लिया जाएगा। बता दें कि 100 साल में यह पहली बार हो रहा है, जब इन दोनों राज्यों की सीमा को सील किया जा रहा है। इससे पहले साल 1919 में ही

ऐसा किया गया, जब स्पेनिश फ्लू का संक्रमण फैला था। मेलबर्न में सोशल डिस्टेंसिंग के सख्त नियम लागू किए हैं और 30 उपनगरीय इलाकों समेत 9 हाउसिंग टावर को भी पूरी तरह से लॉकडाउन कर दिया गया है।

# दलाई लामा का 85वां जन्मदिन, बढ़ सकती है चीन की टेंशन

**नेशनल डेस्क (एजेंसी)।**

तिब्बती धर्मगुरु दलाई लामा का 85वां जन्मदिन है। दलाई लामा के जन्मदिन के उपलक्ष्य में भारत समेत दुनिया भर में कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। ऐसे में भारत के साथ सीमा पर विवाद पैदा कर रहा चीन आज एक अलग ही टेंशन में होगा। इस बार दलाई लामा के जन्मदिन पर एक खास ऑनलाइन स्क्रीनिंग की योजना बनाई गई है। दलाई लामा ने अमेरिका के भौतिक विज्ञानी डेविड बोह्म को लेकर एक खास ऑनलाइन स्क्रीनिंग रखी है। दलाई लामा बोह्म को अपना साइंस गुरु भी मानते हैं। दलाई लामा ने एक हफ्ते पहले ट्विटर पर इस खास स्क्रीनिंग की जानकारी दी थी। बता दें कि चीन हमेशा ही दलाई लामा का विरोध करता रहा है। भले ही दुनिया दलाई लामा को शांतुदूत मानती है लेकिन चीन ने उनपर कई आरोप लगाए हैं। भारत समेत पूरी दुनिया में दलाई लामा का एक खास सम्मान है। तिब्बत पर चीन के कब्जे के बावजूद भारत के तिब्बत साथ एक विशेष संबंध रहे हैं। भारत ने तिब्बत के निर्वासित लोगों को शरण दी हुई है और हिमाचल प्रदेश के धर्मशाला में निर्वासित तिब्बतियों की संसद भी चलती है जिस पर चीन हमेशा ऐतराज करता रहा है। तिब्बत पर चीन के कब्जा करने के बाद भारत ने अप्रैल 1959 में दलाई लामा को तब शरण दी थी, जब वह 23 साल के थे। दलाई लामा अरुणाचल प्रदेश के त्वांग को पार कर भारत आए थे।

# इरान पर नजर रखने के लिए इजरायल ने बढ़ाई अपनी ताकत

**इंटरनेशनल डेस्क (एजेंसी)।**

इजराइल के रक्षा मंत्री ने सोमवार को एक नए जासूसी उपग्रह के सफलतापूर्वक प्रक्षेपण की घोषणा की है जिसके बारे में अधिकारियों का कहना कि इससे क्षेत्र में खतरों की निगरानी में आसानी होगी। इजराइल में करीब दो दशक से इस तरह के उपग्रह प्रक्षेपित किए जा रहे हैं और ओफेक-16 इसी जासूसी बेड़े में शामिल हो गया है। हालांकि अधिकारियों ने खास तौर पर किसी खतरे का नाम नहीं लिया। ईरान और इजराइल में पुरानी शत्रुता है और यह इस्लामिक रिपब्लिक पर परमाणु हथियार विकसित करने की कोशिश का आरोप लगाता रहा है। मंत्रालय के अंतरिक्ष एवं उपग्रह प्रशासन के प्रमुख अमनोम हरारे ने कहा कि उपग्रहों के सभी समूहों का इस्तेमाल देश के लिए किसी खतरे की निगरानी करने में किया जाता है, जैसा कि आप जानते हैं कि कभी यह खतरा बहुत दूर होता है और कभी नजदीक, इसके लिए लगातार निगरानी की जरूरत होती है। इजराइल ने हालांकि इसकी पुष्टि नहीं की है कि अभियान में अभी कितने उपग्रह शामिल हैं लेकिन हरारे ने कम से कम दो ओफेक 5 और ओफेक 11 का जिक्र किया है, इन दोनों का प्रक्षेपण क्रमशः 2002 और 2016 में हुआ था। हरारे ने कहा कि आप अनुमान लगा सकते हैं कि जब आपके पास आकाश में समानांतर रूप से एक से ज्यादा उपग्रह होते हैं तो आप अपने हितों पर ज्यादा बेहतर तरीके से नजर रख सकते हैं। इजराइल ईरान को अपने लिए सबसे बड़ा खतरा मानता है और लंबी दूरी तक मार करने वाली मिसाइलों के इसके निर्माण, पड़ोसी देश सीरिया में सैन्य मौजूदगी और संदिग्ध परमाणु कार्यक्रम को देखते हुए इजराइल ईरान पर करीबी नजर रखता है।

## संक्षिप्त समाचार

### चीन में अब ब्यूबानिक प्लेग को लेकर अलर्ट जारी, महामारी फैलने का खतरा

**बीजिंग ।** उत्तरी चीन के एक शहर में रविवार को ब्यूबानिक प्लेग का एक संदिग्ध मामला सामने आने के बाद अलर्ट जारी किया गया है। यहां के सरकारी मीडिया ने यह जानकारी दी। सरकारी पीपुल्स डेली ऑनलाइन की खबर के अनुसार, आंतरिक मंगोलियाई स्वायत्त क्षेत्र, बयन्नुर ने प्लेग की रोकथाम और नियंत्रण के लिए तीसरे स्तर की चेतावनी जारी की। ब्यूबानिक प्लेग का संदिध मामला बयन्नुर के एक अस्पताल में शनिवार को सामने आया। स्थानीय स्वास्थ्य प्राधिकार ने घोषणा की कि चेतावनी 2020 के अंत तक जारी रहेगी। स्थानीय स्वास्थ्य प्राधिकार ने कहा, ''इस समय इस शहर में मानव प्लेग महामारी फैलने का खतरा है। जनता को आत्मरक्षा के लिए जागरुकता और क्षमता बढ़ानी चाहिए और असामान्य स्वास्थ्य स्थितियों के बारे में तत्काल जानकारी देनी चाहिए। सरकारी शिन्हुआ समाचार एजेंसी ने एक जुलाई को कहा था कि पश्चिम मंगोलिया के खोड प्रांत में ब्यूबानिक प्लेग के दो संदिग्ध मामले सामने आए थे जिनकी प्रयोगशाला जांच में पुष्टि हो गई है।

### अलास्का के पास लगे भूकंप के झटके, रिक्टर स्केल पर तीव्रता 5.5

**वाशिंगटन।** अमेरिकी स्टेट अलास्का में प्रशांत महासागर तट से दूर रविवार को 5.5 तीव्रता के भूकंप के झटके महसूस किये गए। अमेरिकी भूवैज्ञानिक केंद्र ने यह जानकारी दी। विभाग के अनुसार भूकंप स्थानीय समयानुसार आठ बज कर 53 मिनट पर जमीन की सतह से 10 किलोमीटर की गहराई में स्थित था और भूकंप का केंद्र मिट्टी केंद्र से 219 किलोमीटर की दूरी पर था। रिक्टर पैमाने पर भूकंप की तीव्रता 5.5 मापी गई। भूकंप से जानमाल या अन्य किसी भी तरह के नुकसान की फिलहाल कोई रिपोर्ट दर्ज नहीं की गई है और न ही सुनामी की कोई चेतावनी जारी की गई है।

### पेरू में कोरोना के तीन लाख से अधिक मामले

**ब्यूनस आयर्स ।** दक्षिण अमेरिकी देश पेरू में वैश्विक महामारी कोरोना वायरस (कोविड 19) से अबतक तीन लाख से अधिक लोग संक्रमित हो चुके है और करीब 10,589 लोगों की जान जा चुकी हैं।स्वास्थ्य मंत्रालय ने बयान जारी कर कहा, पांच जुलाई तक देश में 1,782,846 लोगों की जांच की गयी जिसमें से 302,718 लोग संक्रमित और शेष 1,480,128 लोग जांच में नेगेटिव पाए गए। देशभर में 11,300 से अधिक लोग अलग-अलग अस्पतालों में भर्ती है जिनमे से 1,227 लोगों के फेफड़ों में सक्रमण हैं।मंत्रालय के अनुसार देश में कोरोना से अबतक 10,589 लोगों की जान जा चुकी है और 182,000 मरीज इलाज के बाद पूरी तरह से स्वस्थ हो गए हैं।

### मिस्र में कोरोना के कारण अबतक 3300 लोगों की मौत

**कायरो ।** मिस्र में वैश्विक महामारी कोरोना वायरस (कोविड 19) के लगातार बढ़ते मामलों के बीच देश में कोरोना संकर्मितों की संख्या बढ़कर 75,000 हो गयी है और करीब 3,300 लोगों की मौत हो गयी है।स्वास्थ्य मंत्रालय के प्रवक्ता खलिद मगहद ने बयान जारी कर कहा, पिछले 24 घण्टों के दौरान देश में 1,218 लोगों की कोरोना से संक्रमित होने की पुष्टि हुयी है तथा इस दौरान 63 लोगों की मौत भी हुयी है। इससे पहले शनिवार को देश में कोरोना वायरस के कारण 79 लोगों की मौत हो गयी थी हालांकि राहत की बात यह है कि देश में कोरोना के मामलों की संख्या कम होनी शुरू हो गयी है।मिस्र में अबतक 75,253 लोग कोरोना से संक्रमित हो चुके है जिनमे से 20,726 लोग पूरी तरह से स्वस्थ हो चुके है और 3,343 संक्रमितों की जान जा चुकी है। देश में इसके अलावा लॉकडाउन में भी ढील देनी शुरू कर दी गयी है।

### यूएई में कोरोना से अबतक 51,540 लोग संक्रमित

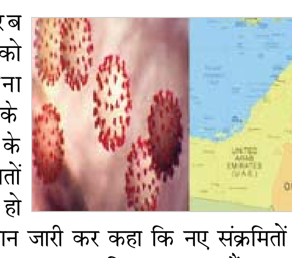

**दुबई ।** संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में रविवार को वैश्विक महामारी कोरोना वायरस (कोविड 19) के 683 नए मामलों की पुष्टि के बाद देश में कोरोना संक्रमितों की संख्या बढ़कर 51,540 हो गयी।स्वास्थ्य मंत्रालय ने बयान जारी कर कहा कि नए संक्रमितों का सवास्थ्य ठीक है और सभी का इलाज किया जा रहा हैं तथा इस दौरान 440 मरीजों के ठीक होने के बाद उन्हें अस्पताल से छुट्टी दे दी गयी है।मंत्रालय के अनुसार देश में अबतक 40,297 मरीज ठीक हो चुके है और दो और संक्रमितों की मौत के बाद मरने वालों की संख्या बढ़कर 323 हो गयी है।गौरतलब है कि सभी खाड़ी देशों में कोरोना वायरस का पहला मामला सबसे पहला मामला यूएई में ही दर्ज किया गया था।

## चीन की एम्बेसेडर होउ यांगकी नेपाल के राष्ट्रपति और पूर्व प्रधानमंत्री से मिलीं

**इंटरनेशनल डेस्क।** नेपाल में प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली और सरकार संकट में है। ओली को चीन का करीबी माना जाता रहा है। यह एक बार फिर साबित भी हो गया है। ओली सरकार को बचाने में बीजिंग अपनी काठमांडू एम्बेसी के जरिए काफी एक्टिव नजर आ रहा है। यहां होउ यांगकी चीनी एम्बेसेडर हैं। रविवार को उन्होंने पूरा दिन सत्तारूढ़ पार्टी के नेताओं से मुलाकात की। शुक्रवार को राष्ट्रपति बिद्या देवी भंडारी से मिली थीं। मई में भी ओली सरकार गिरने का खतरा था। तब भी होउ यांगकी ने विरोधी गुट के नेताओं से मुलाकात कर सरकार बचाने में अहम रोल अदा किया था। ऐसे वक्त में जबकि चीन और भारत के बीच तनाव जारी है। चीन के लिए नेपाल में अपनी पसंदीदा सरकार होना काफी मायने रखता है। यही वजह है कि होउ यांगकी बहुत एक्टिव नजर आ रही हैं। शुक्रवार को उन्होंने राष्ट्रपति बिद्या देवी भंडारी से मुलाकात की थी। भंडारी नेपाल कम्युनिस्ट पार्टी की नेता रह चुकी हैं। रविवार को यांगकी पूर्व प्रधानमंत्री माधव कुमार नेपाल से मिलने उनके घर पहुंचीं। बिद्या देवी भंडारी भले ही राष्ट्रपति हों लेकिन पार्टी में उनकी राय को तवज्जो दी जाती है। वहीं, माधव कुमार प्रधानमंत्री ओली के कट्टर विरोधी माने जाते हैं।

# दुनिया को धमकाने के लिए चीन ने दिखाई अपनी ताकत, अमेरिका ने दिया शानदार जवाब

**इंटरनेशनल डेस्क (एजेंसी)।**

चीन की बढ़ती दादागिरी को देखते हुए कई देशों ने अपनी कमर कस ली है। पूर्वी लद्दाख में भारत और चीन के बीच चल रहे सीमा विवाद और तनाव को देखते हुए अमेरिका ने भी ड्रैगन के खिलाफ कड़ा रूख अपना लिया है। इसी का नतीजा है कि साउथ चाइना सी में सेना ने युद्धाभ्यास शुरू कर दिया है। हालांकि सैन्य-गतिविधि से बौखलाए चीन ने अमेरिका को आंख दिखाने की कोशिश की जो उसी पर उलटी पड़ गई। चीन के सरकारी अखबार ग्लोबल टाइम्स ने अमेरिका को धमकी देते हुए लिखा कि चीन की सेना की किलर मिसाइलें डोंगफेंग-21 और डोंगफेंग-25 अमेरिकी एयरक्राफ्ट कैरियर को तबाह कर सकती हैं। ग्लोबल टाइम्स ने लिखा कि दक्षिण चीन सागर में तैनात अमेरिका के विमानवाहक पोत चीनी सेना की जद में हैं। चीनी सेना इन्हें बर्बाद कर सकती है। हालांकि अमेरिकी नौसेना ने चीन की इस धमकी के खूब मजे लिए। अमेरिकी नौसेना के चीफ ऑफ इनफॉर्मेशन ने ट्वीट कर लिखा कि इस सब के बावजूद भी हमारे दो एयरक्राफ्ट कैरियर साउथ चाइना सी के अंतरराष्ट्रीय जलक्षेत्र में गश्त कर रहे हैं। यूएस नेवी मजे लेते हुए लिखा कि यूएसएस निमित्ज और यूएसएस रोनाल्ड रीगन हमारे विवेक से भयभीत नहीं हैं। दरअसल हा ही में साउथ चाइना सी में चीन ने अपनी सेना के साथ महाभ्यास किया था, इसके जवाब में सुपर पावर अमेरिका ने भी अपनी नौसेना के साथ इस

विवादित इलाके में गहन युद्धाभ्यास की शुरुआत कर दी। यूएस नेवी के ने परमाणु ऊर्जा से चलने वाले दो एयरक्राफ्ट कैरियर भी दक्षिण चीन सागर में तैनात कर दिये गये है, जिससे बौखलाए चीन ने अपनी मिसाइलों के इस्तेमाल की धमकी दे डाली।

# हांगकांग में अमेरिकी राजनयिक ने सुरक्षा कानून के इस्तेमाल को त्रासदी बताया

**हांगकांग (एजेंसी)।**

हांगकांग में अमेरिका के शीर्ष राजनयिक ने सोमवार को कहा कि अर्द्ध स्वायत्त चीनी क्षेत्र में मौलिक स्वतंत्रता को छीनने तथा एशिया के आर्थिक केंद्र में जबर्दस्ती और आत्म-नियंत्रण का माहौल बनाने के लिए नये राष्ट्रीय सुरक्षा कानून का प्रयोग करना एक 'त्रासदी% है। हांगकांग और मकाऊ में अमेरिकी महावाणिज्य दूत हैन्सकम स्मिथ ने संवाददाताओं से कहा, राष्ट्रीय सुरक्षा कानून का इस्तेमाल मौलिक स्वतंत्रताओं को समाप्त करने और जबर्दस्ती तथा आत्म-नियंत्रण का माहौल बनाने के लिए करना हांगकांग के लिए एक त्रासदी है। उन्होंने कहा, हांगकांग मुख्यत~ अपने खुलेपन को लेकर सफल रहा है और हम उसे बरकरार रखने के लिए कुछ भी करेंगे। हांगकांग में पिछले साल सरकार विरोधी प्रदर्शनों के बाद पिछले हफ्ते लागू किया गया कानून अलगाववादी, विध्वंसक या आतंकवादी गतिविधियों के साथ ही शहर के आंतरिक मामलों में विदेशी हस्तक्षेप को अवैध बनाता है। शहर की स्वतंत्रता की मांग के लिए नारे लगाना या पोस्टर दिखाना और झंडे लहराना जैसी गतिविधियां इस कानून का उल्लंघन मानी जाएंगी भले ही हिंसा हुई हो या नहीं। आलोचक इसे पूर्व ब्रिटिश उपनिवेश और मुख्य भूमि के सत्तावादी कम्युनिस्ट पार्टी प्रणाली के बीच कानूनी सुरक्षा दीवार को हटाने के बीजिंग के सबसे साहसिक कदम के रूप में देख रहे हैं। कानून के प्रभावी होने के बाद से सरकार ने यह भी स्पष्ट कर दिया है कि प्रदर्शन के नारे, हांग कांग को आजाद करो, हमारे समय की क्रांति में अलगाववादी संकेत हैं और इसलिए इसे लगाना अपराध है। हांगकांग के सार्वजनिक पुस्तकालयों में, लोकतंत्र समर्थक लोगों द्वारा लिखी गई पुस्तकों को हटा लिया गया है। लोकतंत्र समर्थक लोगों द्वारा लिखी गई पुस्तकों को हटा लिया गया है। अधिकारियों का कहना है कि नये कानून के मद्देनजर वे पुस्तकों की समीक्षा कर रहे हैं।

## वैज्ञानिकों ने खोज निकाला उम्र भर जवान रहने का राज, मानव शरीर में ही छिपा है ये पूरा फॉर्मूला

**बोगोटा ।** हमारी जवानी का राज़ हमारी हड्डियों में छिपा है। हड्डियों के मौजूद रहने से हॉर्मोन की मात्रा सही रेहगी और बुढ़ापा जल्दी नहीं आएगा। वैज्ञानिकों ने इस बात का पता लगा लिया है कि बुढ़ापे को भगाने का राज हमारी हड्डियों में ही छिपा है। इसी मैं पैदा होने वाले एक हॉर्मोन की वजह से हम जवान रह सकते हैं। हड्डियों को ...जानकारी के अनुसार कोलंबिया यूनिवर्सिटी के जेनेटिक्स विभाग के प्रमुख प्रोफेसर गेरार्ड कारसेंटी पिछले 30 सालों से हड्डियों में छिपे इस राज को जानने के लिए रिसर्च कर रहे थे। उन्होंने हड्डियों में पैदा होने वाले हॉर्मोन ऑस्टियोकैल्सिन पर रिसर्च के दौरान पाया कि यह हड्डियों के अंदर पुराने टिशू हटाने और नए टिशूज बनाने के काम करता है। बतया जा रहा है कि ऑस्टियोकैल्सिन हॉर्मोन की वजह से ही हमारी लंबाई बढ़ती है। गेरार्ड ने चूहों में इस हॉर्मोन का जीन निकालकर उस पर रिसर्च की, तो पता चला कि यह हॉर्मोन हमारे शरीर की कई प्रतिक्रियाओं को प्रभावित करता है। वैज्ञानिकों ने खोजा जवान रहने का राज, मानव शरीर में ही छिपा है ये फॉर्मूलाइस मामले में प्रो. गेरार्ड कारसेंटी का कहना है कि पहले ऐसा माना जाता था कि हड्डियों के ढांचे से हमारा शरीर सिर्फ खड़ा रहता है, लेकिन ऐसा नहीं है। हड्डियां हमारे शरीर में इससे ज्यादा क्रियाओं को प्रभावित करती हैं। हड्डियों के अंदर मौजूद टिशूज हमारे शरीर के अन्य टिशूज के साथ सहयोग करती हैं। हड्डियां अपने खुद के हॉर्मोन बनाती हैं, जो दूसरे अंगों तक संकेत भेजने का काम करती हैं। जिसकी मदद से ही हम कसरत करते हैं।

# इमरान की मंजूरी के बाद भी लोकल एडमिनिस्ट्रेशन ने मंदिर का काम रोका

**इस्लामाबाद (एजेंसी)।**

पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद में पहले मंदिर का निर्माण शुरू होते ही रोक दिया गया। शुक्रवार को लोकल बॉडी ने कहा कि मंदिर बनाने के लिए जरूरी मंजूरी नहीं ली गई। इसके अगले ही दिन यानी शनिवार को कट्टरपंथी गुट ने मंदिर की नींव का ऊपरी हिस्सा तोड़ दिया। इसका वीडियो भी सामने आया है। मंदिर निर्माण के खिलाफ फतवा पहले ही जारी किया जा चुका है। मंदिर निर्माण को लेकर इमरान सरकार अब काउंसिल ऑफ इस्लामिक आइडियोलॉजी की सलाह लेगी। प्रस्तावित कृष्ण मंदिर के लिए 20 हजार फीट जमीन अलॉट की गई है।

मानवाधिकार मामलों के संसदीय सचिव लाल चंद मल्ही ने हाल ही में मंदिर निर्माण के लिए भूमि पूजन किया था। डॉन न्यूज के मुताबिक, कैपिटल डेवलपमेंट ऑथोरिटी (सीडीए) ने शुक्रवार को कानूनी वजहों का हवाला देते हुए मंदिर निर्माण रोक दिया था। बिल्डिंग कंट्रोल सिस्टम (बीसीएस) ने शुक्रवार को मंदिर निर्माण स्थल का दौरा किया। वहां मौजूद जिम्मेदारों से कहा कि निर्माण के लिए मंजूरी और नक्शा देना जरूरी है। लाल चंद मल्ही ने कहा- हमने नियमों का पालन किया है। कंट्रोल सिस्टम (बीसीएस) ने शुक्रवार को मंदिर निर्माण स्थल का दौरा किया। वहां मौजूद जिम्मेदारों से कहा कि निर्माण के लिए मंजूरी और नक्शा देना जरूरी है।लाल चंद मल्ही ने कहा- हमने नियमों का पालन किया है। लाल चंद मल्ही ने कहा- हमने नियमों का पालन किया है।

मंदिर की बाउंड्रीवॉल जरूरी थी क्योंकि कुछ लोगों ने दो साल पहले यहां टेंट लगा दिया था। हम कई महीने बाद इसे खाली करा पाए। माना जा रहा है कि प्रधानमंत्री इमरान खान अब धार्मिक मंत्रालय से कहेंगे कि वह मंदिर निर्माण पर काउंसिल ऑफ इस्लामिक आइडियोलॉजी से बातचीत करे। सत्तारूढ़ गठबंधन में सहयोगी पाकिस्तान मुस्लिम लीग ने मंदिर निर्माण को इस्लाम के खिलाफ बताया था।

**इस्लामाबाद में 3 हजार हिंदू आबादी**

इस्लामाबाद में करीब तीन हजार हिंदू आबादी है। इसमें सरकारी और निजी क्षेत्र के कर्मचारी, कारोबारी और डॉक्टर शामिल हैं।

हिंदू पंचायत इस्लामाबाद कृष्ण मंदिर का मैनेजमेंट संभालेगा। आंकड़ों के अनुसार, पाकिस्तान में करीब 75 लाख हिंदू रहते हैं। ज्यादातर हिंदू सिंध प्रांत में रहते हैं।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

# मनपा संचालित स्मीमेर अस्पताल में प्लाज़्मा बैंक की स्थापना

## कोरोना को हराकर स्वस्थ हुए 2 लोग बने प्लाज्मा डोनर

**सूरत।** शहर में कोरोना की परिस्थति के दौरान मनपा द्वारा संचालित स्मीमेर अस्पताल में प्लाज्मा ब्लड बैंक की स्थापना की गई है। इसकी स्थापना के साथ ही कोरोना को मात देकर स्वस्थ हुए दो लोगो ने प्लाज्मा डोनेट करके प्रथम प्लाज्मा डोनर बन गए है.

सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक़ स्मीमेर अस्पताल में प्लाज्मा ब्लड बैंक की स्थापना होने के साथ ही डॉक्टर किशोर दूधात ने प्लाज्मा डोनेट करके पहले प्लाज्मा डोनर बन गए है.डॉकटर किशोर दूधात खुद एक हार्ट स्पेशिलिस्ट हैं।उन्होंने अपनी सामाजिक जवाबदारी निभाने के साथ कोविड–19 के अन्य मरीजों को सहायक होने की भावना के साथ अपना प्लाज्मा डोनेशन करने के लिए उत्साहित थे।साथ एक अन्य व्यक्ति ने भी अपना रक्तदान किया। अगर इस तरह कोविड–19 से स्वस्थ हुए रोगियों का प्लाज्मा अन्य कोविड–19 के मरीजों को दिया जाए तो वो जल्द से जल्द स्वस्थ हो सकते है.

### वृद्ध दर्जी के घर को चोर ने बनाया निशाना

# खुली खिड़की से घर में घुसे दो चोर नगद रूपये, टीवी और मोबाईल सहित सामान चुराकर फरार हुए

**सूरत।** उन क्षेत्र में गत रात्रि दरमियान अज्ञात चोरो ने एक वृद्ध दर्जी के घर को निशाना बनाया। रात को दरजी अपने घर में सो रहा था,उसी बिच दो अज्ञात चोरो खुली खिड़की द्वारा घर में घुसे और अंदर से नगद रूपये तथा टीवी और मोबाईल सहित 60 हजार से ज्यादा की कीमत का सामान चुराकर फरार हो गये।सुबह चोरी की यह घटना सामने आने पर स्थानीय लोगो में हड़कंप मच गया.पुलिस ने घटना स्थल पर पहुचकर मुआयना किया और फिर मामला दर्ज किया गया।

पुलिस सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक़ उन गाम तालाब के पास स्थित जलकृपा सोसाइटी निवासी 66 वर्षीय वृद्ध मंसूर मोहम्मद इस्माइल इदरीसी घर में ही सिलाई का काम करते है.गत रात वह अपने घर में सोये हुए थे.देर रात को मौके का फायदा उठाकर दो अज्ञात चोर खुली खिड़की के जरिये उनके घर में घुस गए इसके बाद अलमारी में रखे नगर रूपये,टीवी,दो मोबाइल,अलग अलग बैंक की पासबुक और एटीएम कार्ड समेत 66 हजार का सामान चुराकर फरार हो गए.सुबह जब वृद्ध नींद से जगे इसके बाद जब अलमारी का सारा सामान बिखरा हुआ पाया और चोरी होने के बारे में पता चलने पर उनके होश उड़ गए.जब घटना के बारे में सोसाइटी में पता चला तो लोग भी चौंक गए.घटना के बारे में जानकरी दिए जाने पर सचिन जीआईडीसी पुलिस घटना स्थल पर पहुंची,पुलिस ने घटना स्थल का मुआयना किया और फिर अज्ञात चोरो के खिलाफ मामला दर्ज कर उनकी खोजबीन शुरू की है.

# જાહેર ખુલાસો ચેતાવણી

## સુરત સીટી મોજે સિંગણપોર, રેવન્યુ સર્વે નં. ૮,૯, અને ૧૭/૧ ના જમીન કૌંભાડ અને તે અંગેના ન્યાયીક કાનુની કાર્યવાહી અંગે ખુલાસો અને ચેતાવણી

મહેરબાન તંત્રીશ્રી,

જાહેર ખુલાસો ચેતાવણી

ડિસ્ટ્રીકટ સુરત સબ ડિસ્ટ્રીકટ તાલુકા, ચોર્યાસી(સીટી) મૌજે સિંગણપોર રેવન્યુ સર્વે નંબર 8,9અને 17/1 વાળી જમીન ના મુળમાલીક માંહ્યાવંશી અનુસૂચિત જાતિના મરહુમ હીરાલાલ ડાહ્યાભાઈ ઉમરવંશી ની ચાલી આવેલ. તેઓના હમો તારાબેન તે હીરાલાલ ડાહ્યાભાઈ ની વિધવા, ભરતભાઈ હીરાલાલ, કલ્પનાબેન હીરાલાલ તે ચંપકલાલ મકવાણા ની પત્ની ત્રણ વારસદારો ચાલી આવેલ છે.એ હકીકત જાણતા હોવા છતાંય હમો નીચે સહી કરનાર ની માતા તારાબેન ઉર્ફે ગંગાબેન ની આંગણિયાત દિકરી યાને પ્રથમ પતી ધનજીભાઈ દયાળભાઈ ની પુત્રી જમનાબેન પ્રમોદભાઈ દવે. જે હમો ની માતા તારાબેન ઉર્ફે ગંગાબેન ના પ્રથમ પતી ધનજીભાઈ દયાળભાઈ ની પુત્રી હોય જેનો હમો ની માતા તારાબેન ના બીજા પતી યાને કે હમોના પિતા હીરાલાલ ડાહ્યાભાઈ ઉમરવંશી ના મિલ્કતો માં કોઈ કાનુની હક્ક અધિકાર ન હોવા છતાંય હિંમત અરજણ સવાણી તથા અન્યોના બહેકાવામાં ખોટા લોભ લાલચમાં આવી હિંમત અરજણ સવાણી તેમના ત્રણ પુત્રો તથા મરહુમ જેરામભાઈ ઘેલાણી તેમના વારસદારો તથા અન્ય બિલ્ડરો ઇસમોની મેળાપીમાં હમોની વારસાઈ ની ઇ,સ,1986 ના વીલ વસીયત વાળી જમીન મિલ્કતો પચાવી પાડવા ફક્ત બે હજાર ચોરસ વાર જમીન સાટાખત, પાવર ઓફ એટર્ની કબ્જારસીદ થી હિંમત અરજણ સવાણી એ ખરીદ કરી તેઓએ કરેલ કરાવી લીધેલ તમામ લખાણો છુપાવી નાશકરી અન્ય ઇસમ સંબંધી સગા જે પટેલ જ્ઞાતિનો જેનો હમો સાથે કોઈપણ ઓળખાણ સંબંધ વ્યવહાર ન હોય,હમોના મિલ્કતો માં કોઈ કાનુની હક્ક અધિકાર ધરાવતા, ધરાવી શકે તેમ ન હોય તેવા વ્યક્તી જેરામભાઈ રાઘવભાઈ ઘેલાણી ના નામે ઇ.સ.1990 ના સાલનુ બોગસવીલ ઉભો કરી હમોની મિલ્કત પચાવી પાડવા સામદામદંડભેદ ની નિતી અપનાવી અન્ય ઇસમોની મદદગારી માં તમામ પ્રકારના જઘન્ન ગુનાહિત કૃત્યો આચરી હમોની જમીનો છીનવી લઇ હમોને બેઘર બનાવી ગેરકાયદેસર કબ્જો કરી હમોની જમીન પચાવી પાડવા અથાંગ પ્રયત્નો કરતા આવેલ છે. અને પોલીસ ખાતાના અન્ય સરકારી અર્ધ સરકારી કચેરીઓના અધિકારીઓ વકીલો અન્ય ઇસમો હમોની માતા તારાબેનના આંગણિયાત દિકરી જમનાબેન પ્રમોદભાઈ દવેના મેળાપિમાં ઘણાં ગેરકાયદેસરના બોગસ દસ્તાવેજો લખાણો ઉભા કરે કરાવી તેવા બોગસ ગેરકાયદેસરના દસ્તાવેજોનો ખરા તરીકે ઉપયોગ કરી વારંવાર સરકારી અર્ધ સરકારી કચેરીઓ માં વગ પૈસા ના જોરે ખોટી રજૂઆતો બોગસ દસ્તાવેજો રજુકરે કરાવી રેવન્યુ રેકર્ડોપર ખોટી ગેરકાયદેસર બોગસ એન્ટ્રી ઓ નોંધો પડાવતા આવેલ છે.એવા બોગસ ગેરકાયદેસર નાદસ્તાવેજોના આધારે હમો સામે પોલીસ અધિકારીઓ, વકીલો, અન્ય ઇસમો બિલ્ડરોના મેળાપીમાં ચોર કોતવાલને દંડે તેમ ખોટા કેસો ઉભા કરે કરાવી નામદાર કોર્ટોસાથે પોલીસ અધિકારીઓ વકીલોના મેળાપિમાં ખોટી રજૂઆતો ખોટા પુરાવા રજુકરે કરાવી ખોટા હુકમો પણ મેળવતા આવેલ છે મેળવવાના પ્રયાસો કરતા આવેલ છે. આતમામ હકીકતો અંગે નામદાર કોર્ટોમાં હમોના હમોની મિલ્કત અંગેના ફોજદારી દિવાની કેસો પેંડીગ છે.તથા હમોના ઉપરોકત જમીનો પૈકી બેહજાર ચોરસ વાર જમીન અંગેના અન્યોના કેસો પણ નામદાર કોર્ટોમાં પેંડીગ છે.

સામાવાળા હમોની જમીન ગેરકાયદેસર કબ્જો કરનાર ભુમાફિયા હિંમત અરજણ સવાણી તેના ત્રણે પુત્રો એન્ડ કંપની પૈસાદાર વગદાર રાજકીય તથા ગુંડાતત્વોના સથવારે ચાલતા અને સરકારી અર્ધસરકારી કાયદાકીય કચેરીઓ માં વગ ધરાવતા કાવતરાખોર સામદામદંડભેદ નિતી અપનાવતા આવેલ પ્રોફેશનલ ભુમાફિયા હોય હમો સાથે પચ્ચીસ વર્ષ ઉપરાંત થી હમોની મિલ્કત જમીન પચાવી પાડવા ગુનાહિત કૃત્યો આચરી પ્રયાસો કરતા આવેલ હોય અને હમોને તમામ લાગતીવળગતી કચેરીઓ થી આજદિન સુધી કોઈ ન્યાય ન મળતા જેમાં હમો સાથે વારંવાર છેતરપિંડી વિશ્વાસઘાત અન્યાય અત્યાચાર ગુનાહિત કૃત્યો આચરી આર્થિક માનસિક તમામ રીતે ત્રાસ આપી અપાવી તમામ રીતે નબળા બેબસ અસમર્થ બનાવી દેતા હમો ન્યાય મેળવવા અસમર્થ થઈ જતા હમો એ ન્યાય મેળવવા ન્યાયિક કાર્યવાહીમાં મદદગાર થવા સુરત જીલ્લા ( આર્થિક રીતે) પછાત વિસ્તાર વિકાસ મંડળ સુરત ના સંસ્થામાં રજુઆત કરેલ. અને મંડળના સ્થાપક પ્રમુખ શ્રી ને કારોબારી સભ્યોને હમોને થયેલ અન્યાય અત્યાચાર સામે અને હમોની જમીન રહેણાંક ઘર છીનવાઈ ગયેલહોય હમો બેઘર થયેલ હોય જે પરત મેળવવા રજુઆત કરેલ જે અંગે મંડળના પ્રમુખ સ્થાપક શ્રી પણ વધુ માહિતગાર જાણકાર હોય અનેતેમના તરફ થીસહકારની ખાત્રી મળતા જે અંગેનાકાયદકીય કાર્યવાહી માટે લાગતા વળગતા તમામ કચેરીઓ નામદાર કોર્ટોમાં તમામ પ્રકારની કાર્યવાહી કરવા જેમાટે તેઓને યોગ્ય લાગે તેવા વકીલો મદદગારો વગેરે ની નિમણુક કરવા, રદ કરવા વગેરે તમામ પ્રકારની સત્તા અધિકારો આપી અશોકભાઈ શંકરભાઈ પાટીલ ની હમોના કુલમુખત્યાર તરીકે નિમણૂક કરેલછે નિમેલ છે અને જેઅંગે ના લખાણો કરી આપેલછે. જે.અમોને જ્યાંસુધી ન્યાય ન મળે ત્યાંસુધી કોઈ પણ સત્તા અધિકારો લખાણો કુલમુખત્યાર નામુ રદ્દ કરવા કરાવવાનોનથી. રદ થઈ શકશે નહી.

અમારા આ કુલમુખત્યાર શિવાય અન્ય કોઈ પણ ઇસમ ને આવી કોઈ પણ સત્તા અધિકાર કુલમુખત્યાર નામુ હમો એ આપેલ નથી. હમોના નામદાર કોર્ટોના ચાલતા કેસોમાં ખોટા ગેરકાયદેસરના બોગસ અન્ય પાવરદારો લખાણો હિંમત અરજણ સવાણી મળતિયા ઇસમો બિલ્ડરોએ ગેરકાનૂની ગુનાહિત કૃત્યો વડે ઉભા કરેલ જોવા મળેલ છે. જે તમામ પાવરદારો તેમના થકી થયેલ કરવા કરાવવામાં આવેલ લખાણો ગેરકાયદેસર બોગસ હોય તે અમોને માન્ય નથી હમો એ માન્ય રાખેલ નથી .

જેથી સદર મિલ્કતો અંગે હમોના કુલમુખત્યાર અશોકભાઈ શંકરભાઈ પાટીલ શિવાય કોઈ પણ ઇસમ વ્યક્તી સરકારી અર્ધ સરકારી કચેરીઓ નામદાર કોર્ટોમાં કોઈ પણ પ્રકારની કાર્યવાહી અરજીઓ કેસો રજુઆતો વગેરે હમોવતી કરે કરાવી શકશે નહી. હમોના કુલમુખત્યાર જે વકીલોની નિમણુંક કરશે તે વકીલો મારફત કુલમુખત્યાર ના દેખરેખ નિરીક્ષણ હેઠળ તેમના પોતાના સહી સમંતિ સાથે જે કાર્યવાહી થશે કરવા કરાવવામાં આવશે તેજ હમોને માન્ય રહેશે માન્ય ગણાશે. હમોના કુલમુખત્યારના સહી સમંતિ વગર દેખરેખ નિરીક્ષણ કર્યાવગર કોઈપણ કાર્યવાહી કરેલ થયેલ કરવા કરાવવામાં આવશે તે હમોને માન્ય રહેશે નહી. હમોના કુલમુખત્યાર તથા કુલમુખત્યારે નિમેલ વકીલો શિવાય કોઈ પણ વ્યકિત અન્ય વકીલ રજુઆતો વગેરે કાર્યવાહી હમોવતી કોર્ટોમાં લાગતી વળગતી કચેરીઓ માં કરશે તે હમોને માન્ય રહેશે નહી. તો છતાંય કોઈ અન્ય ઇસમ વકીલ આવી કોઈ પણ કાર્યવાહી કરશે કરાવવામાં આવશે તો તેઓ વિરુદ્ધ હમો કાયદેસરના પગલાં ભરીશુ. હમોના કુલમુખત્યાર તેઓસામે પગલા ભરવા હક્કદાર છે,રહેશે.

હમોએ હમોના કુલમુખત્યારે અગાઉ નિમણુંક કરેલ વકીલ શ્રી નલીન એન પટેલ નાઓની નિમણુક રદ કરેલછે. અને એડવોકેટ શ્રી અવનિશ બી પંડ્યા, શ્રેયાંશ એ પંડ્યા નાઓની હમોએ હમોના કુલમુખત્યારે હમોના વકીલ તરીકે નિમણૂક કરેલ છે.

આ અગાઉ પણ હમોએ હમોનાકુલમુખત્યાર અશોકભાઈ શંકરભાઈ પાટીલ નાઓને આપેલ સત્તા અંગે તારીખ 31-12-2016 ના રોજ દૈનિક પત્ર સંદેશ માં પાનાનંબર તેર ઉપર જાહેર નોટિસ પ્રસિધ્ધ કરેલ છે. હમોના કુલમુખત્યાર અશોકભાઈ સામે હમોએ તેઓને હમોના મિલ્કતના ન્યાયિક કાયદાકીય કાર્યવાહી કરવાઅંગે કુલમુખત્યાર નિમેલ હોવાના અને તેઓવતી આપેલ સત્તા મુજબ કાનુની કાર્યવાહી હાથ ધરાતા તથા હમોને ન્યાયિક કાર્યવાહી અંગે સાથ સહકાર આપવાના કારણે તેઓસાથે તેઓના કુટુંબીઓ સાથે ઇ.સ.2017 થી હિંમત અરજણ સવાણી તેમના ત્રણ પુત્રો હરેશ,સુરજ તથા હિતેશ નાઓએ પોલીસ અધિકારીઓના વકીલોના ગુંડાતત્વોના અન્ય સરકારી અર્ધ સરકારી કચેરીઓના અધિકારીઓના અન્ય ઇસમોના મેળાપિમાં ખુલ્લેઆમ અન્યાય અત્યાચાર સ્થળપર તોડફોડ અન્ય ગુનાહિત કૃત્યો આચરી તેઓસામે ખોટા ગેરકાયદેલખાણો કેસો ઉભા કરે કરાવી તેઓપાસેથી ઇ.સ.1991 ઇ.સ.1991થી તેઓના કબ્જા ભોગવટા હેઠળની ચાલી આવેલ બે હજાર ચોરસ વાર જમીન તથા તેઓનારહેણાંકના ઘરો ગુનાહિત કૃત્યો આચરી તેઓને મજબુર કરેકરાવી પોલીસ અધિકારીઓ ગુંડાતત્વો વકીલોના અન્યોઇસમોના મેળાપિમાં ગેરકાયદેસર સમાધાન કરે કરાવી નજીવી કિંમતે છીનવી લીધેલ છે. અને જેઅંગે પણ સમાધાન મુજબ ન વર્તી છેતરપિંડી વિશ્વાસઘાત કરે કરાવી કુલમુખત્યાર અશોકભાઈ સામેના છેતરપિંડીથી કેસો ઉભા રાખી રખાવી ફરી ચોર કોતવાલને દંડે તેમ નવા ખોટો કેસ કરીહમોને સાથ સહકાર ન આપવા હમોના ચાલતા જમીન કૌભાંડ થી ચુપ બેસી જવા હટી જવા હમોએ આપેલ કુલમુખત્યાર નામુ સત્તા રદ કરવા કરાવવા તથા અન્ય લખાણો સોગંદનામા કબુલાત નામાઓ લખી આપવા તેઓસામે ખોટા આરોપો પોલીસ, વકીલો અન્યોના મેળાપીમાં ફરી પોલીસ કેસ ઉભો કરે કરાવી હમોના કુલમુખત્યાર ની સમાજમાં બદનામ થાય તેવા આરોપો મુકી જેલમાં બંધ કરી તેઓને બ્લેકમેલ કરવા કરાવવાના પ્રયાસો કરી ચુક્યા છે. અને કરે કરાવવાની કોશિશ કરી રહ્યા છે.અને જેમાટે તેઓને આર્થિક માનસિક ત્રાસ આપીહેરાનપરેશાન કરી ચુપ બેસાડવાના પ્રયાસો કરી રહ્યા છે. જેથી હમોના ઉપરોકત જમીન કૌભાંડના કેસોના કાર્યવાહી અંગે નામદાર કોર્ટોમાં લાગતી વળગતી કચેરીઓના અરજીઓ કેસો અંગે હમોના કુલમુખત્યાર નાઓને પોતે રૂબરૂ અથવા વકીલ મારફતપુરેપુરા સાંભળ્યાવગર તેઓની રજુઆતો ધ્યાને લિધાવગર કોઈ પણ નોંધો ફૈસલા હુકમો કરવા કરાવવા નહી. જો કરવા કરાવવામાં આવશે તો તેવા હુકમો ફૈસલા નોંધો અન્ય કોઈ પણ કરેલ થયેલ કાર્યવાહી હમોને માન્ય રહેશે નહી જેઅંગે તમામ લાગતા વળગતા કચેરીઓ ન્યાયાલયોના ન્યાયાધીશો અધિકારીઓ એ તથા જાહેર જનતાએ પણ આઅંગે નોંધ લેવી.

સ્થળ: સુરત
તારીખ:

મારી સુચનાથી

સહી Bharatbhai

એફીડેવીટ

હું ભરતકુમાર હીરાલાલ ઉમરવંશી, ઉ.આ.વ.:-૩૫, ધંધો :- નોકરી, જાતે :-હિન્દુ, રહેવાસી :- હરીજનવાસ, ગામ:- કાસલા (બુ), તા. ઓલપાડ, જીલ્લો:- સુરતનાં આથી મારા ધર્મ પ્રમાણે પ્રતીજ્ઞા લઈ સોગંદ પુર્વક જાહેર કરૂ છુ કે ઉપરોકત જાહેર ખુલાસો ચેતાવણી માં જણાવેલ લખેલ તમામ હકીકત સાચી અને ખરી છે. સહી.

એફિડેવિટ કરનાર ની સહી

Bharatbhai 9974724744

નામ- ભરતકુમાર હીરાલાલ ઉમરવંશી મો.નં.

ઓળખ આપનાર ની સહી
મારી રૂબરૂ

IDENTIFIED BY ME

S. D. B.

S. D. Rupapara
(ADVOCATE)
2nd Floor, Vishwakarma Nivas,
Nr. Labheshwar Police Chowki
L.H. Road, SURAT

Serial No.: 862
Date : 16/6/2020

BEFORE ME
16/6/2020
NEHA H. KORADIA
NOTARY
GOVT. OF INDIA
SURAT (GUJARAT)

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर, सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)